देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 259 । भोपाल, मंगलवार 19 सितंबर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

बेकाबू ट्रक ने आधा दर्जन गायों को रौंदा पृष्ठ 2
- विशेष सत्र, मोदी जी की वाहवाही के लिए!
- 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव पर व्यापक बहस और चर्चा की जरूरत पृष्ठ 4
- शिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने किया जाएगा प्रोत्साहित पृष्ठ 6

मनरेगा में भ्रष्टाचार : कलेक्टर ने वीडियो जारी कर किया उजागर पृष्ठ 8

सार-समाचार

महिला सशक्तिकरण के विरोधी हैं मोदी

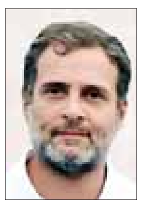

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महिलाओं के सशक्तिकरण का विरोधी बताते हुए सवाल किया है कि मोदी सरकार को सत्ता में आए नौ साल से अधिक हो गया है लेकिन महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिला है। श्री गांधी ने ट्वीट किया प्रधानमंत्री मोदी महिला सशक्तिकरण के विरोधी क्यों हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक पोस्टर भी पोस्ट किया है जिसमें पुराने संसद भवन के चित्र के साथ लिखा है 'नौ साल से ज्यादा की मोदी सरकार और विधेयक अब तक प्रतीक्षित है।'

कावेरी जल बंटबारे पर बने समिति : देवेगौड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी.देवेगौड़ा ने सोमवार को राज्यसभा में कावेरी नदी के जल को तमिलनाडु को दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि इसके कारण कर्नाटक के लोग परेशान है और इस विवाद के समाधान के लिए दोनों सदनों से ऐसे सदस्यों की समिति बनाई जानी चाहिए जो इन दोनों राज्यों से नहीं हैं। देवेगौड़ा ने संसद के विशेष सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कर्नाटक के लोग बहुत परेशान है। कावेरी नदी के जल पर कर्नाटक के लोगों को अधिकार है और वह इस मुद्दे को लेकर 60 वर्षों से लड़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों से पांच पांच सदस्यों को लेकर एक समिति बनाई जानी चाहिए जो मौके पर जाकर वस्तु स्थिति का अवलोकन करे और अपनी रिपोर्ट दे और उस पर अमल किया जाये। इस समिति में कर्नाटक और तमिलनाडु के सदस्य नहीं होने चाहिए।

जम्बूरी मैदान में होगा सम्मेलन

मुख्यमंत्री 26 को महिला समूहों को वितरित करेंगे स्कूटी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 26 सितम्बर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन में समूहों को 1400 स्कूटी वितरित करेंगे। भोपाल के आस-पास के 5 जिलों के संकुल स्तरीय संगठनों को 50 स्कूटी राज्य स्तरीय सम्मेलन और सतना, बालाघाट, सागर, छिंदवाड़ा और शिवपुरी जिलों के सीएलएफ को ऑनलाइन स्कूटी वितरित की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान महिला हितग्राहियों को बैंक ऋण के चेक भी प्रदान करेंगे। सम्मेलन में महिला स्व-सहायता समूह के लगभग 50 हजार सदस्य भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में हुई बैठक में आयोजन की तैयारियों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ओंकारेश्वर में 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' का अनावरण 21 को

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में स्थापित 'स्टैच्यू ऑफ वननेस' का अनावरण कार्यक्रम 21 सितंबर को किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाले देश के सभी प्रमुख साधु-संतों का परंपरागत स्वागत-सत्कार किया जाएगा। वहीं, मानसून को देखते हुए आयोजन स्थल और यातायात व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन सतर्क रहेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यालय भवन समत्व में ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में एकात्मता की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

हम लोग हर समय चुनाव के लिए तैयार : नीतीश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बिहार में जल्द चुनाव होने के वक्तव्य पर पलटवार करते हुए आज कहा कि वह हर समय चुनाव के लिए तैयार हैं। कुमार ने सोमवार को यहां मॉरीशस के राष्ट्रपिता स्व. सर शिवसागर रामगुलाम की जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह के वक्तव्य कि बिहार में चुनाव जल्द होगा से संबंधित सवाल के जवाब में कहा वे लोग तो पूरे देश में जल्द चुनाव कराना चाहते हैं। जितना जल्दी चुनाव करा दें उतना अच्छा है, हमलोग तो इंतजार कर रहे हैं। ।

संसद का विशेष सत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने की नेहरू की तारीफ

कांग्रेसियों के तालियां नहीं बजाने पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने 50 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्रियों को याद करते हुए कहा- ये वो सदन है जहां पंडित नेहरू का स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट की गूंज हम सबको प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का आंदोलन भी इसी सदन ने देखा था। उन्होंने कहा, 'सदन ने कैश फॉर वोट और 370 को भी हटते देखा है। वन नेशन वन टैक्स, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, गरीबों के लिए 10 फीसदी आरक्षण भी इसी सदन ने दिया। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। स्पेशल सत्र में पांच बैठकें होंगी। उधर विपक्षी पार्टियों ने सरकार से सवाल-जवाब करने के लिए 9 मुद्दों की लिस्ट तैयार की है। पंडित नेहरू, शास्त्री से लेकर अटल, मनमोहन सिंह तक कई नाम हैं जिन्होंने इस सदन का नेतृत्व किया। सदन के माध्यम से देश को दिशा दी है। देश को नए रंग रूप में ढालने के लिए उन्होंने परिश्रम किया है, पुरुषार्थ किया है। आज उन सबका गौरवगान करने का अवसर है। सरदार वल्लभ भाई पटेल, लोहिया, चंद्रशेखर, आडवाणी न जाने अनगिनत नाम जिन्होंने हमारे इस सदन को समृद्ध करने में, चर्चाओं को समृद्ध करने का काम किया है। पीएम मोदी ने इस दौरान विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- बहुत सी बातें ऐसी थी जो सदन में हर किसी की तालियों की हकदार थी, लेकिन शायद उसमें भी राजनीति आगे आ गई। नेहरू जी का गुणगान अगर इस सदन में होगा, तो कौन सदस्य होगा जो उस पर ताली नहीं बजाएगा। शास्त्री जी ने 65 के युद्ध में देश के सैनिकों का हौसला इसी सदन से बढ़ाया था। वहीं इंदिरा गांधी ने इसी सदन से बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू से लेकर शास्त्री,अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक बड़ी श्रृंखला रही है जिन्होंने देश का नेतृत्व किया है। आज का दिन इन सबके गुणगान करने का अवसर है।

जवाहर लाल नेहरू से लेकर शास्त्री,अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक बड़ी श्रृंखला रही है जिन्होंने देश का नेतृत्व किया है। आज का दिन इन सबके गुणगान करने का अवसर है: नरेंद्र मोदी

विपक्ष को डराने की कोशिश कर रही सरकार

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को विशेष सत्र के पहले दिन अपने भाषण की शुरुआत एक कविता से की और सरकार को सलाह दी कि 'अगर वह कुछ नहीं कर सकती तो कुर्सी छोड़ दे।' साथ ही उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि केंद्र मजबूत विपक्ष को कमजोर करने के लिए ईडी के जरिए उसे डराने की कोशिश कर रही है। खड़गे, जो कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं, ने राज्यसभा में अपने शुरुआती नोट में कहा, 'अगर आप बदलना चाहते हैं तो अभी स्थिति बदलें। इस तरह नाम बदलने से क्या होता है? युवाओं को रोजगार देना है तो सबको बेरोजगार करने से क्या होगा? अपने दिल को थोड़ा बड़ा करने की कोशिश करें, जब आप लोगों को मारते हैं तो क्या होता है? अगर आप कुछ नहीं कर सकते तो अपनी कुर्सी छोड़ दीजिए।

अधीर रंजन के भाषण पर सोनिया बोलीं 'वेरी गुड'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद विपक्ष की तरफ से बोलते हुए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को मॉडर्न इंडिया का आर्किटेक्ट बताते हुए कहा कि उन्होंने एक कठिन समय में देश की बागडोर संभाली थी।

चौधरी ने 14-15 अगस्त, 1947 को आधी रात में संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' को याद करते हुए कहा कि जवाहर लाल नेहरू के साथ ही उस समय संविधान सभा के हर सदस्य ने यह शपथ ली थी कि सब मिलकर देश को आगे बढ़ाएंगे। नेहरू की दूरदर्शिता और विक्रम साराभाई की अगुवाई में इसरो बना, 1975 में देश ने आर्यभट्ट सैटेलाइट लॉन्च किया। लेकिन, आज इंडिया और भारत की बात करने वाले बताएं कि चंद्रयान-3 की कामयाबी के बाद अब इसरो को क्या कहेंगे, उसमें भी इंडिया लगा है। अधीर रंजन चौधरी के भाषण के दौरान सोनिया गांधी लगातार उन्हें गाइड करती रहीं और महत्वपूर्ण पॉइंट्स बताती रहीं। भाषण के दौरान ही सोनिया गांधी ने अधीर रंजन चौधरी को महिला आरक्षण पर बोलने की याद दिलाई, जिसके बाद चौधरी ने मोदी सरकार से महिला आरक्षण बिल पारित करने की भी मांग की। बाद में सोनिया गांधी ने अधीर रंजन चौधरी के भाषण की तारीफ करते हुए उन्हें 'वेरी गुड' भी कहा।

लोकसभा में 2 बार बज गया राष्ट्रगान

अध्यक्ष ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही अचानक सदन में राष्ट्र गान बजने से एक अजीब सी स्थिति पैदा हो गई। उस समय 11 नहीं बजे थे और न ही लोक सभा स्पीकर ओम बिरला अपने आसन पर बैठे थे। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही राष्ट्रगान शुरू हो गया और उस समय सदन में मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सोनिया गांधी समेत सभी सांसद सम्मान में खड़े हो गए। इसके खत्म होते ही लोक सभा के महासचिव उत्पल सिंह जैसे ही सदन के अंदर आए, प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे जानने की कोशिश की कि क्या हुआ। लोक सभा स्पीकर बिरला के आने के बाद सदन की परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रगान के साथ सदन की कार्यवाही शुरू हुई। विपक्षी दलों ने स्पीकर की मौजूदगी के बिना सदन में राष्ट्रगान बजने और दो बार राष्ट्रगान बजने को स्पीकर का अपमान बताते हुए सदन में हंगामा करना शुरू कर दिया। विपक्षी नेताओं के हंगामे के बीच लोक सभा स्पीकर बिरला ने कहा कि कोई अपमान नहीं हुआ है,यह टेक्निकल चूक है, आपने इसे संज्ञान में लाया है और इस चूक की जांच करवाई जाएगी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाला विधेयक हटा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के विशेष सत्र में सरकार ने अपने एजेंडे में बदलाव किया है। बहुप्रचारित चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े विधेयक पर मोदी सरकार ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। माना जा रहा है कि विपक्ष के तीव्र विरोध के चलते अब कुछ बदलाव के बाद यह विधेयक अब सदन के पटल पर रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयुक्तों से जुड़े विधेयक के प्रारूप पर विपक्ष का कड़ा ऐतराज था। विशेष सत्र के दौरान इस पर हंगामा होने की आशंका जताई जा रही थी। अभी तक चुनाव आयुक्तों का दर्जा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के समकक्ष है। लेकिन,केंद्र का जो प्रस्तावित बिल था,उसमे चुनाव आयुक्त का दर्जा कम करके उसे कैबिनेट सचिव के बराबर कर दिया गया था। इसको लेकर भी विपक्ष खफा था और मोर्चा खोल रखा था।

जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान जनसभा में मुख्यमंत्री ने पूछा-

दिल पर हाथ रखकर बताएं, भाजपा सरकार में काम हुए हैं या नहीं?

सागर, देशबन्धु । आप दिल पर हाथ रखकर बताएं, भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश में काम हुए हैं या नहीं? क्या कांग्रेस की सरकार ने ऐसी कोई योजना बनाई थी, जिससे आपको सीधा फायदा हो? यह सवाल आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनता से पूछा। वह सागर जिले के सुरखी में महाकौशल क्षेत्र की जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन को आईएनडीआईए तो रख लिया, लेकिन ऐसा नाम रखने से कोई इंडिया नहीं बन जाता।

श्री चौहान ने कहा कि मैं सरकार नहीं, परिवार चलाता हूं। मध्यप्रदेश में मेरा साढ़े 9 करोड़ लोगों का परिवार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के सम्मान में उनके खाते में 6 हजार रुपए डालते हैं, हम भी 4 हज़ार रुपए उनके खाते में डालते थे जिसे बढ़ा कर अब 6 हज़ार कर दिया है। अब कुल मिलाकर 12 हज़ार रुपए किसानों के खाते में आ रहे हैं। श्री चौहान ने कहा कि जिन बहनों का किसी कारण से प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम नहीं आया है, वो मुख्यमंत्री आवास योजना में आवेदन कर सकती हैं। सुरखी की जनसभा के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा, संसदीय बोर्ड की सदस्या श्रीमती सुधा यादव, प्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष पाण्डेय एवं स्थानीय भाजपा नेता उपस्थित रहे।

अब घरों में नल से आता है पानी : खट्टर

आमसभा में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि जब से भाजपा सरकार प्रदेश में आई है, तब से प्रदेश कि सूरत ही बदल गई है। हर जगह सीमेंट की सड़कें दिखाई देती हैं, घरों में नल से पानी आ रहा है, किसानों को सम्मान निधि मिल रही है। श्री खट्टर ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना जैसी अनेकों योजनाओं ने मध्यप्रदेश की तस्वीर ही बदलकर रख दी है। जनसभा के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री खट्टर ने सुर्खी से ले कर बिलहरा राजा तक रोड शो किया। इस दौरान जगह-जगह यात्रा का स्वागत किया गया। श्री खट्टर ने उपस्थित जनसमुदाय का अभिवादन करते हुए आगामी चुनाव में भाजपा के लिए आशीर्वाद मांगा।

सुरखी में महाविद्यालय प्रारंभ किया जायेगा : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुरखी में शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ किया जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों, गृहणियों और विद्यार्थियों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। जहां किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा और किसान सम्मान निधि का लाभ दिलवाया जा रहा है, वहीं गृहणियों के हित में 450 रूपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक बहनें लाभान्वित हो रही हैं।

आदित्य-एल 1 ने वैज्ञानिक डेटा एकत्र करना किया शुरू

इसरो ने सौर वेधशाला के बारे में दी जानकारी

चेन्नई, एजेंसी। भारत की अंतरिक्ष आधारित सौर वेधशाला आदित्य-एल1 ने सूर्य का निरीक्षण करने के लिए वैज्ञानिक डेटा एकत्र करना शुरू कर दिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि सुप्रा थर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (एसटीईपीएस) उपकरण के सेंसर, जो कि आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसीईएक्स) पेलोड का एक हिस्सा है, ने वैज्ञानिक डेटा का संग्रह शुरू कर दिया है।

अहमदाबाद में अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के सहयोग से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) द्वारा विकसित, एसटीईपीएस उपकरण ने पृथ्वी से 50 हजार किमी से अधिक दूरी पर सुपर-थर्मल और ऊर्जावान आयनों और इलेक्ट्रॉनों को मापना शुरू कर दिया है। यह डेटा वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद करता है। एसटीईपीएस में छह सेंसर हैं जो अलग-अलग दिशाओं में निरीक्षण करता है और एक मेगा इलेक्ट्रॉन वोल्ट अधिक इलेक्ट्रॉनों के अलावा 20 किलो इलेक्ट्रॉन वोल्ट/न्यूक्लियॉन से 5 मेगा इलेक्ट्रॉन वोल्ट/न्यूक्लियॉन तक के सुपर-थर्मल और ऊर्जावान आयनों को मापता है। ये माप निम्न और उच्च-ऊर्जा कण स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग करके किए जाते हैं। पृथ्वी की कक्षाओं के दौरान एकत्र किए गए डेटा से वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद मिलती है, खासकर पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति में।

सुप्रीम कोर्ट ने विधायकों की अयोग्यता मामले में की सुनवाई

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश, समय सीमा तय करें

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला टालना गलत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई की। कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि आप इस मामले पर फैसला लंबे समय तक टाल नहीं सकते। आपको इसकी समय सीमा तय करनी होगी। इसके बाद मामले की सुनवाई दो हफ्ते के लिए स्थगित कर दी गई। उधर, कोर्ट ने शिवसेना के नाम और सिंबल से जुड़े मामले की सुनवाई 3 हफ्ते के लिए स्थगित कर दी है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने दोनों मामले पर सुनवाई की। सीजेआई ने कहा कि स्पीकर को सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का पालन करना होगा और उनके फैसले को चार महीने बीत चुके हैं। अदालत ने पूछा कि उसके 11 मई के फैसले के बाद क्या कार्रवाई की गई, जिसमें उसे 'उचित समय' के भीतर याचिकाओं पर फैसला देने के लिए कहा गया था। अदालत ने टिप्पणी की कि अध्यक्ष अपने पैर खींचना जारी नहीं रख सकते और निर्देश दिया कि वह संबंधित मामले की सुनवाई एक सप्ताह से पहले नहीं करेंगे। शीर्ष अदालत ने 14 जुलाई को नोटिस जारी किया था और नार्वेकर और शिंदे से दो सप्ताह की अवधि के भीतर जवाब मांगा था। शिवसेना-यूबीटी नेता सुनील प्रभु द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि स्पीकर 'एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में अवैध रूप से जारी रखने की अनुमति देने के लिए अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं।'

ठाकरे गुट ने शीर्ष अदालत का रुख किया था

शिंदे और उनके खेमे के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में अध्यक्ष द्वारा की गई देरी के खिलाफ ठाकरे गुट ने 4 जुलाई को शीर्ष अदालत का रुख किया था। 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने निर्देश दिया था कि महाराष्ट्र स्पीकर को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपी शिंदे सहित 16 शिवसेना विधायकों के खिलाफ 'उचित समय में अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करना चाहिए।'

पिछले साल एकनाथ शिंदे ने बगावत की थी

शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में पार्टी से बगावत की थी। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद शिंदे ने शिवसेना पर अपना दावा कर दिया। 16 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना मान लिया। साथ ही शिंदे गुट को शिवसेना का नाम और चिह्न (तीर-कमान) को इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी।

अडानी-हिंडनबर्ग जांच का मामला : नई समिति बनाने के लिए याचिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक नई विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने की गुहार लगाते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई है। अनामिका जायसवाल द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत द्वारा गठित पिछली विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के हितों के स्पष्ट टकराव के मद्देनजर नई समिति गठित करने का निर्देश शीर्ष अदालत को देना चाहिए। याचिका में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व अध्यक्ष ओपी भट्ट, आईसीआईसीआई के पूर्व अध्यक्ष एमवी कामथ और वकील सोमशेखर सुंदरेसन और अडानी समूह के बीच हितों के टकराव को दर्शाने वाले कथित उदाहरणों का हवाला दिया गया है। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता वाली समिति में सभी सदस्यों को शीर्ष अदालत द्वारा नामित किया गया था। शीर्ष अदालत ने अधिवक्ता विशाल तिवारी और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद 02 मार्च 2023 को हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया था, जिसे यह भी जांच करने को कहा गया था कि क्या यह कोई नियामक विफलता थी।

हेमंत सोरेन की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कथित अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को चुनौती देने वाली झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका सोमवार को खारिज करते हुए उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय दरवाजा खटखटाने को कहा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने श्री सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी से कहा कि वो राहत के लिए पहले उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करें। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति बोस ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा, आप (सोरेन) उच्च न्यायालय क्यों नहीं जाते? पहले आप वहां जाएं।

सार समाचार

बच्चों ने मिट्टी से बनाई गणपति की प्रतिमाएं

गुना देशबन्धु। शासकीय प्राथमिक विद्यालय ग्राम सुमेर में सत्य साईं सेवा समिति गुना के तत्वाधान में चलने वाले संस्कार शिविर बालविकास के तहत बच्चों को मिट्टी की गणेश मूर्तियां बनवाई। यह शिविर हरिचरण सोलंकिया और श्रीमती कृतिका अग्रवाल द्वारा संचालित किया जाता। जिसमें कल समिति से आलोक अग्रवाल और क्षमा खण्डेलवाल की उपस्थिति मे कक्षा को संचालित कर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 48 बच्चे उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में 18 बच्चों ने भाग लिया। जिसमे बच्चों ने प्राकृतिक साधनों एवं मिट्टी से गणपति जी की प्रतिमायें बनाई। इस प्रतियोगिता में प्रथम विजेता जिया और अर्जुन, द्वितीय वृंदा और मंजू, और तृतीय वंशिका रही। प्रतियोगिता के पश्चात् बच्चों को स्वल्पाहार भेंट किया गया। संस्कारों की इस कक्षा में संस्कार, संस्कृति, भजन आदि धार्मिक कार्यक्रम किये जाते हैं।

गुना-सिरोंज रेल पथ निर्माण संघर्ष समिति की बैठक आयोजित

आरोन देशबन्धु। गुना, आरोन, सिरोंज रेल पथ निर्माण संघर्ष समिति आरोन की मासिक बैठक स्थानीय माधव स्कूल में आयोजित की गयी। बैठक में गुना, भोपाल व्हाया बजरंगगढ़, आरोन, सिरोंज, बेरसिया जन प्रस्तावित रेलवे लाइन के सम्बंध में जन आंदोलन तेज करने पर व इस लाइन से क्षेत्र में होने वाले फायदों को आम जनता को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। अब इस हेतु दीवार लेखन पर्चा वितरण सदस्य बनाने व सिरोंज बैरसिया शमशाबाद में चल रहे आंदोलनकारियों से सम्पर्क करने व रेल मंत्री से मुलाकात करने जैसे निर्णय लिये गये हैं। ज्ञातव्य हो कि पिछले दिनों मध्यप्रदेश राज्य परिवहन मंत्रालय द्वारा भी इस आशय का एक पत्र रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। गुना, आरोन, सिरोंज का आम जनमानस लम्बे समय से एक नयी रेलवे लाइन गुना से भोपाल व्हाया आरोन सिरोंज की मांग करता आ रहा है। इस आशय से गठित आरोन सिरोंज रेल पथ निर्माण संघर्ष समिति द्वारा पिछले वर्षों में हजारों पोस्टकार्ड व ई मेल रेल मंत्रालय व रेल मंत्री को भेजे हैं। साथ ही इस आशय से एक प्रतिनिधि मंडल तत्कालीन रेल मंत्री से भी मिला था। समय समय पर तमाम जनप्रतिनिधियों को भी ज्ञापन सौंपे गये हैं। साथ ही आरोन से सिरोंज तक इस मांग को लेकर यात्रायें भी निकाली गयीं हैं। इसलिए इस दिशा में आवश्यकतानुसार सकारात्मक कार्यवाही करने की रेल विभाग से काम को शुरू कराने की मांग को लेकर आगे की रणनीति बनाई गई है। आगामी दिनों में इस आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सयैद मुलायम अली ने की। बैठक में एससी गोयल, विष्णु प्रसाद दुबे, मनीष श्रीवास्तव, मनोहर भदौरिया, धर्मवीर रघुवंशी,पवन श्रीवास्तव, मुकेश खन्ना, चंद्रेश अहिरवार,

गुस्साएं ग्रामीणों ने लगाया जाम

बेकाबू ट्रक ने आधा दर्जन गायों को रौंदा

गुना, देशबन्धु। कुंभराज थानांतर्गत खटकया चौराहे पर एक बेकाबू ट्रक ने आधा दर्जन से अधिक गायों को रौंद दिया। जिसमें उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम चक्काजाम लगा दिया। जिससे नेशनल हाइवे पर दोनों ओर वाहनों के पहिये थम गए। और देखते ही देखते कई वाहन जाम में फंस गए। हालांकि सूचना पर कुंभराज थाना टीआई पुलिस बल के साथ पहुंचे, वहीं स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर किसी तरह चक्काजाम खुलवाते हुए हाइवे पर यातायात शुरू कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह एक बेकाबू ट्रक ने सड़क किनारे बड़ी 7 गायों को रौंद दिया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों की नाराजगी इस बात को लेकर थी कि हाइवे पर आए दिन हादसों में मवेशियों की मौत हो रही है।

लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। खटकाया चौराहे के पास ही गौशाला संचालित है। लेकिन मवेशियों को वहां पहुंचाने या रखने के इंतजाम नहीं हो रहे हैं। वहीं गौशालाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। हालांकि मौके पर मौजूद प्रशासन के अधिकारी और टीआई ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि गौशाला का संचालन करने वाली समिति से चर्चा कर मवेशियों को वहां पहुंचाने और रखने की व्यवस्था कराई जाएगी। इसके बाद मुश्किल से ग्रामीण माने।

वन विभाग की टीम ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सड़क पर मृत मिला तेंदुआ

गुना, देशबन्धु। वन विभाग को टीम को नेशनल हाइवे-46 पर अजगरा-रमणी के बीच एक तेंदुए का शव मिला है। गत दिवस देर शाम सूचना मिलने के बाद वन विभाग ने तेंदुए के शव को बरामद किया है। तेंदुए की मौत के पीछे के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है।

पोस्टमॉर्टम के बाद ही तेंदुए की मौत की वजह का कारण पता चलेगा। वन विभाग के अधिकारी अक्षय राठौर ने बताया कि फिलहाल तेंदुए की मौत के कारणों के बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता। पोस्टमार्टम मंगलवार को हो पाएगा, जिसके बाद मौत की वजह के बारे में जानकारी मिलेगी। रेंजर सौरभ द्विवेदी ने बताया कि तेंदुए के अवशेषों को प्रिजर्व कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद मौत की वजह पता चल पाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के बीनागंज वन विभाग चौकी के अंतर्गत हाइवे पर एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला है। घटना रविवार देर शाम की बताई जा रही है। हाइवे पर किसी वाहन की टक्कर से तेंदुएं की मौत का अनुमान लगाया जा रहा है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अजगरा गांव के नजदीक एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला है। जिसे वन विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है। तेंदुए के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जिसकी विसरा रिपोर्ट को जबलपुर भेजा जाएगा। इसके बाद पता चलेगा कि तेंदुए की मौत की असल वजह क्या है। फिलहाल वन विभाग की टीम ने अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जेसी वीक का समापन, फैमिली ड्रामा पर हुआ आयोजन

गुना देशबन्धु। जेसी वीक के समापन समारोह पर फैमिली ड्रामा पार्टी घर घर प्यार और तकरार थीम पार्टी का आयोजन निजी होटल में किया गया। इस थीम 7 टीमें थी। जिसकी हर टीम में 4 सदस्यों ने अपना-अपना अभिनय किया। जिसमें कोई देवरानी जेठानी कोई सास बहू तो कोई ननद भाभी बना। सभी ने बहुत अच्छा अभिनय किया। क्लब के सदस्यों ने बहुत आनंद लिया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। पार्टी में फैमिली हाउसी भी खिलाया गया। जिसमें नौटंकी ननद, दमदार जेठानी, धमाकेदार सास और फैमिली ड्रामा फुल हाउसी स्कीम्स राखी गई। सभी मेंबर्स ने पार्टी में मजा लिया। पार्टी मा‍ई अध्यक्ष श्वेता बिंदल, सचिव मनीषा बिंदल, कोषाध्यक्ष स्वाति जैन, मीना मित्तल, भावना जैन, हेमा अग्रवाल, रुचि अग्रवाल और क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे।

वंशकार समाज पर टिप्पणी पर धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

गुना देशबन्धु। बागेश्वर धाम के पीठाधर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के कथित विवादित बयान के खिलाफ सोमवार को वंशकार बरार समाज सड़कों पर उतर आया। वंशकार बरार समाज विकास समिति के तत्वाधान में समाजबंधुओं ने लामबंद होकर कलेक्टोरेट पहुंचकर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। दरअसल पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने वंशकार समाज को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। जिसके बाद वंशकार समाज के लोग उनके विरोध में सड़कों पर उतर आया है। समाजबंधुओं ने उनकी कथा पर बैन लगाने के साथ मामला दर्ज करने की मांग की। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि राजस्थान के सीकर में पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कथा के दौरान वंशकार समाज के लिए अभद्र टिप्पणी की थी, जिससे समाज के लोगों में आक्रोश है। शास्त्री ने वंशकार समाज को सर्वजानिक तौर पर अपमानित किया है। जिससे उन्हें मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से क्षति पहुंची है। शास्त्री द्वारा कहे गए जातिसूचक शब्द में स्पष्ट रूप से दिखता है कि वह अजा वर्ग के बसोड समाज को घृणा की दृष्टि से देखते हैं और तुच्छ समाज समझते हैं। जिसके चलते आज आज ज्ञापन सौंप कर उनके खिलाफ एफआईआर की मांग की है।

इकबाल राष्ट्रीय मानव अधिकार न्याय आयोग में नियुक्ति

गुना, देशबन्धु। इकबाल हुसैन रहबर को राष्ट्रीय मानव अधिकार न्याय आयोग में मप्र विधिक सलाहकार की हैसियत से नियुक्ति की गई है। उनकी नियुक्ति पर मुस्लिम समाज में खुशी की लहर है। इस मौके पर उनको बधाई देने वालों में जामा मस्जिद कमेटी सदर सैयद इसरार हुसैन के साथ हाजी सगीर, सैयद शाकिर अली, सलीम अंसारी, अक्सार शेख, हमीद भाई कैंट, मोहम्मद हनीफ अप्पू, रईस खान, विक्की मंसूरी, शाकिर चौधरी, शब्बीर भाई, हाफिज टेलर्स, अकबर खान, कल्लू भाई आदि शामिल हैं।

व्यापारियों के बाद मंडी कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

गुना, देशबन्धु। व्यापारियों के बाद अब कृषि उपज मंडी के अधिकारी-कर्मचारी भी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार से हड़ताल पर चले गए। इसी के साथ मंडी में लगभग पूरा कामकाज ठप्प हो गया। इसके पूर्व मप्र संयुक्त संघर्ष मोर्चा भोपाल के आह्वान पर कर्मचारी संयुक्त मोर्चा इकाई द्वारा मण्डी समिति के कर्मचारियों की मांगें पूरी न होने के गत दिवस काली पट्टी बांध कर काम किया था। जिसके बाद सोमवार से सभी मण्डी कर्मचारी पूर्णतः हड़ताल पर चले गए। उल्लेखनीय है कि 4 अगस्त 23 को मुख्यमंत्री द्वारा स्वर्ण जयंती के अवसर पर आमेलन की घोषणा की गई थी। जिसके कारण समस्त मण्डी कर्मचारी, अधिकारियों में हर्ष व्याप्त था। इसके बावजूद भी शासन के अधिकारियों के निष्क्रियता एवं लापरवाही के कारण आज दिनांक तक आमेलन की कार्यावाही न होना मुख्यमंत्री के सम्मान में अधिकारियों द्वारा खिलवाड किया जा रहा है। जिसके कारण मजबूर होकर प्रदेश की 259 मण्डियों एवं 359 उपमण्डियों में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू हुआ है। धरने में मण्डी बोर्ड कर्मचारी एकता संघ के संभागीय अध्यक्ष बसंत खरे, संयुक्त संघर्ष मोर्चा गुना के जिलाध्यक्ष रामकृष्ण लोधा, मोहन सिंह रघुवंशी सहित वरिष्ठ पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह जादौन, जयवीर सिंह परिहार, गिर्राजशरण गर्ग, राजेश रघुवंशी, जितेन्द्र रघुवंशी, भागचंद जाटव, शिवसिंह सिसौदिया, जितेन्द्र परमार, तैतीन चौपड़ा, अरविंद रघुवंशी, गुलाब सिंह रघुवंशी, भैयालाल धाकड़, गुलाब सिंह रघुवंशी, शिवनारायण जोगी, मुकेश केवट, धीरेन्द्र सिंह अहिरवार, राधेश्याम उपाध्याय, गोपाल ढीमर, गिर्राज नामदेव, पवन नामदेव, रंजना शर्मा, शकुंतला त्रिपाठी, ऊषा सिसौदिया, रीना श्रीवास्तव, ऊषा सिसौदिया, मीनाक्षी, भास्कर सिंह रघुवंशी मण्डी कर्मचारियों ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल हुयए है।

जन आदेश यात्रा की शुरू, आप में जाने की अटकलें

चांचौड़ा में ममता की बगावत, भोपाल पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को सौंपेगी इस्तीफा

गुना, देशबन्धु। चांचौड़ा विधानसभा पर टिकट वितरण से नाराज पूर्व विधायक ममता मीना अब बगावती सुर अपनाते हुए 19 सितंबर को भोपाल पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के समक्ष अपने सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। इसके पूर्व उन्होंने चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में जन आदेश यात्रा शुरू की है। जो सोमवार को कामखेड़ा होते हुए गौमुख, मृगवास, सनाई, बड़ौत, कुंभराज, तुलसीखेड़ा, खेजरा, बीनागंज, चांचौड़ा, तेलीगांव, मधुसूदनगढ़ में उकावद वाले हनुमान जी पर यात्रा का विश्राम हुआ। यह यात्रा प्रत्येक मतदान केंद्र एवं गली-मोहल्ले में जाने वाली है। श्री मीना ने बताया कि मंगलवार को भोपाल पहुंचकर में प्रदेशाध्यक्ष के समक्ष अपने सभी पदों से इस्तीफा दूंगी। श्रीमति मीना ने कहा कि जन आशीर्वाद यात्रा में मुझे नहीं बुलाया गया। हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से पूछा तक नहीं गया। इतना अपमान आखिर में कैसे सहन करूं। बिना कार्यकर्ताओं से रायशुमारी के बाद एक महीने पहले पार्टी ने विधानसभा चुनावों में पैराशूट से प्रत्याशी उतार दिया है। इधर पिछले कुछ दिनों से ममता मीना के आम आदमी पार्टी में जाने भी अटकलें जारी हैं।

सरकार पटवारियों से चर्चा कर समाधान निकाले: पटेल

सीहोर देशबन्धु। लंबे समय से मध्यप्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर जिले के करीब 305 पटवारी हड़ताल पर है। कई तहसीलों में सन्नाटा पसरा हुआ है, पटवारी संघ के हड़ताल में जाने से सीमांकन, नामांतरण आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, बंटवारा सहित काम पूरी तरह से प्रभावित हो गए है, जिस वजह से तहसील आ रहे ग्रामीणों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है,वही पटवारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती तब तक उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार को पटवारियों के धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल से क्षेत्रवासियों को परेशानी हो रही है, पूर्व में इछवार के धरना स्थल पर भी गया था, अब में सीहोर में अपने पटवारी साथियों के साथ खड़ा हूं। सरकार को पटवारी संघ से चर्चा करना चाहिए और उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारी विरोधी भाजपा सरकार द्वारा पटवारी भाई-बहनों के साथ अन्याय दुर्भाग्यपूर्ण है। अपने इस अहंकार का जवाब विधानसभा चुनाव में भाजपा को जरूर मिलेगा। हड़ताल में पटवारी इछावर सहित अन्य स्थानों पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पटवारी सरकार की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकार को सभी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने का काम पटवारी करते हैं। पटवारियों की मांग पर ध्यान दिया जाए और उनका वेतनमान बढ़ाया जाए। श्री पटेल ने आश्वासन दिया कि मौजूदा सरकार पटवारी संघ की मांग पूरी नहीं करती है और अगर मप्र में कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार आती है तो हम पटवारी संघ की मांगों को पूरा करने की कोशिश करेंगे।

अब गंदा पानी नहीं मिलेगा पार्वती नदी में

नगर की वर्षो पुरानी समस्या का हुआ निराकरण

आष्टा, देशबन्धु। नगर की वर्षो पुरानी समस्या का आज प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में निराकरण हुआ। अलीपुर क्षेत्र के एक छोर वार्ड क्रमांक 2 व 3 से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ व गंदा पानी जो कि जीवन दायिनी मां पार्वती नदी में जाकर समाहित होता था उसका कल्वर्ट पाईप क्रासिंग बनाकर पूर्ण तरीके से निराकरण किया गया। कार्य के पूर्ण हो जाने से अलीपुर से निकलने वाला गंदा पानी अब पार्वती नदी में नहीं मिलेगा और नदी का जल दूषित होने से बचेगा। वार्ड क्रमांक 1 व 3 के मध्य स्थित अलीपुर पार्वती पुल के पास बनने वाले कल्वर्ट पाईप क्रासिंग निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक व नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, सीएमओ राजेश सक्सेना, वार्ड पार्षद राजकुमार मालवीय, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, पार्षदगण डॉ. सलीम खान, कमलेश जैन, जाहिद गुड्डू, अतीक कुरैशी द्वारा संयुक्त रूप से मंत्रोच्चार के साथ किया गया। विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि कल्वर्ट पाईप क्रासिंग का निर्माण लगभग 7 लाख 75 हजार रूपये की लागत से पूर्ण होगा। भूमिपूजन अवसर पर जुगलकिशोर मालवीय, सुमित मेहता, पंकज नाकोड़ा, राहुल नायक, दिनेश सोलंकी, अनिल मालवीय, निखिल मालवीय, लखनलाल मालवीय, सहायक यंत्री अनिल धुर्वे, उपयंत्री पीके साहू, आशीष बैरागी, मनीष किलोदिया, लखन प्रजापति, श्यामलाल यादव, साहिल खान, रितेश विश्वकर्मा, रिंकू अंसारी आदि मौजूद थे।

जनपद शिक्षा केंद्र में बैठक के दौरान की गई कार्यक्रम की समीक्षा

आष्टा, देशबन्धु। जनपद शिक्षा केंद्र में बी.पी.एम.यू. बैठक तरुण कुमार बैरागी बी.आर.सी. की अध्यक्षता में बैठक की गई। जिसमें पिछले माह में किए गए कार्यों की समीक्षा एवं आगामी योजना पर विस्तार से बातचीत की गई। इस बैठक के दौरान मिशन अंकुर टीम दिल्ली से दीप ज्योति, भोपाल से यशवर्धन उनियाल, सुमित साध द्वारा जन शिक्षकों से एफ.एल.एन. के अंतर्गत किए जा रहे शाला अवलोकन के अनुभव के बारे में जाना गया। शाला अवलोकन के दौरान मेंटरिंग ऐप पर आ रही चुनौतियों पर बातचीत की गई। जिससे आने वाले समय में इस ऐप में सुधार किया जा सके। बातचीत के दौरान यशवर्धन द्वारा सभी जन शिक्षकों को सुझाव दिया गया कि शाला अवलोकन के दौरान बच्चों की पठन गति को देखें एवं कक्षा-2 के अंत तक 45 से 60 शब्द प्रति मिनट निर्धारित लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बच्चों को ज्यादा से ज्यादा पठन अभ्यास का अवसर देने के लिए शिक्षकों को फीडबैक दिया जाए, जिससे बच्चों की ज्यादा पठन का अभ्यास अवसर मिल सके और बच्चों के पठन गति में सुधार हो और हम लोग निपुण भारत के निर्धारित लक्ष्य तक पहुंच सके। बैठक में शाजापुर से रवि विश्वकर्मा, मिशन अंकुर टीम से गोवर्धन भाग्यश्री सभाजीत पटेल अंकित भुजबल एवं बी.आर.सी. से अनिल श्रीवास्तव नवसाक्षरता समन्वयक, हरेंद्र सिंह लेखापाल, मनोज विश्वकर्मा, बी.एस.सी., मनोहर बी.एस.सी., विश्वकर्मा, फूलचंद सांकले बी.एस.सी., देव जी मेवाड़ा बी.एस.सी., प्रतिमा भावक, रवि मेवाड़ा एवं समस्त जन शिक्षक उपस्थित रहे।

जिला खेल अधिकारी ने दीज जानकारी

24 से जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता होगी शुरू

सीहोर देशबन्धु। मध्यप्रदेश जिसे भारत का दिल कहा जाता है न केवल अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वादिष्ट व्यंजनों और मनमोहक परिदृश्यों के लिए जाना जाता है बल्कि यह खेल गतिविधियों के विकास और बेहतरीन अधो-संरचना के एक बड़े केन्द्र के रूप में भी उभर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार के प्रयासों के साथ-साथ खिलाड़ियों के जूनून और समर्पण ने मध्यप्रदेश में खेलों के विकास को गति दी है। उक्त विचार शहर के चर्च मैदान पर सोमवार को खेलों एमपी यूथ गेम्स 2023 टार्च रिले के चर्च मैदान पर पहुंचने पर शामिल खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहे। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में चर्च मैदान पर फुटबाल, बीएसआई मैदान पर क्रिकेट और आवासीय स्कूल मैदान पर खिलाड़ियों को सुविधाएं मिल रही है। क्षेत्र में प्रदेश सरकार की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ खिलाडियों को मिल रहा है। इसलिए हमारे क्षेत्र की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन कर रही है। नपाध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि अब मध्यप्रदेश हरियाणा और महाराष्ट्र का मजबूत प्रतिस्पर्धी बन गया है। कुछ क्षेत्रों में मध्यप्रदेश का पूरे देश में कोई मुकाबला नहीं है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से खेल के क्षेत्र में प्रदेश को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। मध्यप्रदेश का खेल परिदृश्य पिछले वर्षों से पूरी तरह बदल गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविन्द इलियाजर ने बताया कि सोमवार को टार्च रिले भोपाल से शहर में पहुंची थी। आवासीय स्कूल से रैली के रूप में खिलाड़िों ने चर्च मैदान पर पहुंचे थे। इस मौके पर खिलाड़िों ने स्वागत किया। इसके पश्चात टार्च रिले देवास के लिए रवाना हो गई। अब आगामी 24 सितंबर से जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

युकां की बैठक में बनी जन आक्रोश यात्रा की रणनीति

आष्टा, देशबन्धु। विधानसभा में युवा कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक विधानसभा अध्यक्ष यूथ कांग्रेस शैलेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में की गई। जिसमें राष्ट्रीय सचिव सहप्रभारी मध्य प्रदेश मानसिंह राठौड़ राष्ट्रीय समन्वयक अरनव कंबोज जिला अध्यक्ष यूथ कांग्रेस राजकुमार यादव राष्ट्रीय सचिव मानसिंह राठौड़ कहां की मध्य प्रदेश कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही। जन आक्रोश यात्रा में यूथ कांग्रेस के लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित हुए। और प्रदेश सरकार द्वारा जो किए गए भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए लोगों को जागरूक करें और मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ मध्यप्रदेश समृद्धि कार्ड लॉन्च किया गया है। उसको डोर-डोर कैंपेन करके घर-घर तक पहुंचना है। यहां महत्वपूर्ण काम यूथ कांग्रेस द्वारा किया जाना है। मध्यप्रदेश से भाजपा सरकार द्वारा किए गए घोटालों को उजागर करना लोगों मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किए गए व्यापम घोटाले पटवारी भर्ती घोटाले लिफ्ट सरकार उखाड़ फेंकने के लिए लोगों को जागरूक करने का काम यूथ कांग्रेस को करना है। कार्यक्रम में निम्न कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष यूथ कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ठाकुर कुरावर अजय सिंह ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ठाकुर जावर ब्लॉक यूथ कांग्रेस अध्यक्ष हरपाल ठाकुर कार्यकारी अध्यक्ष गोलू पटेल जिला महासचिव अर्जुन ठाकुर जिला महासचिव यशवंत भेरूपुर विधानसभा उपाध्यक्ष जय सिंह लोकेंद्र भाटी बंसी बॉम्बे करण विशाल राठौर चेतन विजय पाटीदार राहुल विजेंद्र अजय दरखेड़ा बलदेव हर्षद कृष्ण पाल शैलेंद्र धर्मेंद्र सत्येंद्र ठाकुर मनोज मालवीय दीपू खेड़ी नरेंद्र योगेंद्र भाटी आदि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजधानी

सार समाचार

उर्दू पांडुलिपियां 15 अक्टूबर तक आमंत्रित

भोपाल, देशबन्धु। उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद द्वारा उर्दू पाण्डु लिपियों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना में प्रदेश के साहित्यकारों और शायरों से उर्दू पाण्डु लिपियाँ 15 अक्टूबर, 2023 तक आमंत्रित की गई है। ये पाण्डुलिपियाँ मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी, मुल्लारमूजी संस्कृति भवन में जमा की जा सकेंगी । पांडुलिपी के साथ मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से लगाया जाना होगा। जिन साहित्यकारों और शायरों की पुस्तकें अकादमी द्वारा प्रकाशित की गई हैं, यदि उन्हें आर्थिक सहायता दिये हुए दस वर्ष नहीं हुए हैं, तो उनकी पाण्डु लिपियों पर विचार नहीं किया जायेगा। इस संबंध में बनाई गई कमेटी का निर्णय अंतिम माना जायेगा।

अल्पसंख्यक वर्ग के उम्मीदवारों को परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण

भोपाल, देशबन्धु। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने के मकसद से रोजगार प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। विभागीय बजट में इस वर्ष 2023-24 में वित्तीय प्रावधान किया गया है। योजना में अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को एमपीपीएससी, एसएससी, आईबीपीएस, पीईबी, सीए-फाउण्डेशन, रेलवे और विभिन्न तकनीकी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये होने वाली परीक्षाओं में शामिल होने के लिये निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के साथ शिष्यवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा योजना में चयनित विद्यार्थियों को जेईई-मेन्स, नीट और क्लेट इत्यादि के लिये निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण दिलाये जाने की व्यवस्था की गई है।

सड़क हादसे में सेवानिवृत्त सहायक संचालक के इकलौते बेटे की मौत

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य विभाग के सेवानिवृत्त सहायक संचालक के इकलौते बेटे की बीती रात हुए सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसके दोस्त की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है यह दोनों कार में सवार थे और शाहपुरा झील के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंबे से टकरा गई। कार की रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जिस खंबे से वह टकराई थी वह टेढ़ा हो गया था, जबकि कार के परखच्चे उड़ गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चूना भट्टी में रहने वाले खाद्य विभाग के सेवानिवृत्त सहायक संचालक विवेक सक्सेना का 30 वर्षीय पुत्र आयुष सक्सेना जयपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था। लेकिन पिता के सेवानिवृत्त होने के बाद 3 महिने पहले वह नौकरी छोड़कर भोपाल वापस आ गया था। बताया गया है कि आयुष बीती रात करीब 10 बजे अपने दोस्त आयुष तिवारी के साथ उसकी कार से निकला था। इसी दौरान उनकी तेज रफ्तार कार शाहपुरा झील के पास सड़क किनारे लगे खंबे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए थे। वहीं खंबर भी टेढ़ा हो गया था। रात करीब तीन बजे सूचना मिलने के बाद पंहुची पुलिस ने कार में फंसे दोनों युवकों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद आयुष सक्सेना को मृत घोषित कर दिया, जबकि आयुष तिवारी की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके बाद पुलिस ने आयुष तिवारी के परिजनों को सूचना दी और फिर उन्होंने आयुष सक्सेना के परिजनों को घटना के बारे में बताया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में घटना का कारण कार की गति तेज होने से अनियंत्रित होना सामने आया है।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार और खंबा, इनसेट में मृतक युवक।

मां के जन्मदिन के दिन हुई मौत

मृतक के जीजा अंजन ने बताया कि आज (सोमवार) को आयुष की मां दीपाली सक्सेना का जन्म दिन था।उनके जन्मदिन मनाने के लिए वह बहन के साथ मिलकर कई योजना बना रहा था। इससे पहले ही उसकी मौत हो गई। परिवार के इकलौते बेटे की मौत के बाद मां का रो-रोककर बुरा हाल है। उन्हें गहरा सदमा लगा है। उन्हें यकीन नहीं हो रहा की अब उनका बेटा इस दुनिया में नहीं है।

11 दिन बाद था जन्मदिन

उन्होंने बताया कि आयुष का जन्मदिन 11 दिन बाद 29 सितंबर को था। इकलौते बेटे के जन्मदिन को परिजन यादगार बनाना चाहते थे। पिता सेवानिवृत्त हो चुके हैं। लिहाजा वे बेटे के जन्मदिन पर उसे पूरा समय देना चाहते थे। इससे पहले ही उसकी मौत ने परिजनों को झकझोर कर रख दिया है।

पिता बोले- मुझे यकीन नहीं कि, मेरा बेटा अब नहीं मिलेगा

आयुष के पिता विवेक सक्सेना ने बताया कि इसी साल मार्च में खाद्य विभाग से सहायक संचालक के पद से सेवानिवृत्त हुए है। आयुष उनका इकलौता बेटा था। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। आयुष तीन महीने पहले तक जी लर्निंग नाम की कंपनी में जयपुर में जॉब कर रहा था। घर में आयुष की मां दीपाली और वेअकेले रहते हूं। हम चाहते थे, आयुष मेरे साथ रहे। भोपाल में ही कोई कारोबार कर ले। बेटा मेरे कहने पर भोपाल लौटा था। सेवानिवृत्त होने के बाद मुझे जो फंड मिला था, हम उससे कुछ कारोबार शुरु करने पर विचार कर रहे थे। अचानक आयुष की मौत की खबर ने मुझे अंदर तक हिला दिया है। मुझे यकीन नहीं है कि, मेरा हंसता-खेलता बेटा अब कभी नहीं मिलेगा। उसके बिना मैं कैसे जी सकूंगा समझ नहीं आ रहा। इस पूरे मामले में सिस्टम की बड़ी लापरवाही है, 108 के स्टाफ ने हमें समय पर सूचना क्यों नहीं दी। समय पर पता लगता तो हम उसे हमीदिया के स्थान पर किसी अन्य निजी अस्पताल में ले जाते, शायद उसकी जान बच जाती। उसका पर्स हमें नहीं मिला, शव देखा तो उसकी सोने की चेन भी गायब थी। उसके मोबाइल फोन का भी पता नहीं है। सारा सामान कैसे और कहां गया, जबकि घटना स्थल से थाना महज एक किलो मीटर की दूरी पर है। यहां से हमारा घर डेढ़ किलो मीटर की दूरी पर है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से किसान की मौत

भोपाल, देशबन्धु। ईटखेड़ी थाना इलाके में रहने वाले मोटर साइकिल सवार एक किसान को रविवार रात अरवलिया ब्रिज के नीचे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि घटना के वक्त वह पूजन समग्री लेकर निशातपुरा से अरवलिया स्थित घर की ओर जा रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विमल चौहान पुत्र स्वर्गीय पन्ना लाल चौहान उम्र 40 वर्ष अरवलिया में रहता था। वह रविवार को मोटर साइकिल से पूजन समग्री लेने के लिए निशातपुरा गया था। वहां से सामान लेकर गांव लौट रहा था। इसी दौरान अरवलिया ब्रिज के पास न्यू स्टार पेट्रोल पंप के करीब उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घायल हालत में उसे निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि सिर में गंभीर चोट आने के कारण विमल की मौत हुई है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। जिस्से टक्कर मारने वाले वाहन चालक का पता लगाया जा सके।

3 बच्चों का पिता था

बताया गया है कि विमल के तीन बच्चे हैं, जिसमें दो बेटी और एक बेटा शामिल है। तीनों स्कूली छात्र हैं। गांव में उसकी आठ एकड़ जमीन है, जिसमें वह और उसके दो अन्य भाई खेती किसानी कर अपना गुजर बसर करते हैं। सोमवार की दोपहर को पुलिस ने शव को पीएम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

हाउसिंग बोर्ड आयुक्त ने किया तुलसी ग्रीन्स के निर्माण कार्य का निरीक्षण

समय से पहले कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त चन्द्रमौली शुक्ला ने सोमवार को चार इमली इलाके में बन रही तुलसी ग्रीन्स हाउसिंग परियोजना के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। श्री शुक्ला ने निर्माण कार्य का जायजा लेने के साथ ही संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ कार्य के प्रगति की समीक्षा बैठक की।

बैठक में श्री चंद्रमौली शुक्ला ने इस परियोजना की हर हर स्तर पर निगरानी करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही हाउसिंग बोर्ड की इस खास परियोजना को समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना की समय सीमा 30 महीने है लेकिन परियोजना 24 महीने में पूरा किया जाए। परियोजना को तय समय से पहले पूरा करने को लेकर उन्होंने कहा कि सभी तरह की अनुमति पहले ही पूरा कर लें। ड्राईंग, डिजाइन या किसी तरह के स्वीकृति की वजह से देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सभी परियोजनों में नो डिले के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि परियोजना की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

प्रदेश की सबसे ऊंची आवासीय इमारत

मालूम हो कि एमपी हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित किया जा रहा तीन टावर वाला तुलसी ग्रीन्स बनने से पहले ही काफी चर्चा में है। चूंकि 125 करोड़ रुपये की लागत से शहर की सबसे पाश इलाके में 1.91 एकड़ में बन रही इस परियोजना में प्रदेश की सबसे ऊंची आवासीय इमारत होगी। यह 75 मीटर यानी 246 फीट ऊंची होगी। 24-24 मंजिला इन इमारतों के 2 टावर होंगे। हर मंजिल पर 2 फ्लैट होंगे। यह भोपाल की पहली ऐसी आवासीय परियोजना है जिसकी दीवारें ईंट की बजाय सीमेंट - कंक्रीट की होंगी।

वन विहार में तेंदुए की सेहत सुधरी

भोपाल, देशबन्धु। वन विहार नेशनल पार्क में गंभीर हालत में लाए गए तेंदुए के शावक की सेहत में सुधार हुआ है। वह अलीराजपुर के जंगलों में में मां से बिछड़ गया था। पांच से छह दिन तक भूखा रहने पर वह कमजोर हो गया था। इससे उसे वन विहार में लाया गया था। जहां अब उसकी तबीयत ठीक हो गई है। वन विहार के डिप्टी डायरेक्टर एसके सिन्हा ने बताया कि 23 अगस्त-23 को अलीराजपुर वन मंडल से गंभीर हालत में 4 माह का एक तेंदुआ शावक (नर) वन विहार में लाया गया थाा। वह अलीराजपुर के जंगलों में अपनी मां से बिछड़ गया था। इस कारण वह कई दिन तक भूखा रहा था और उसके फेफड़ों में संक्रमण भी था। तेंदुए का इलाज वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. अतुल कुमार गुप्ता ने किया। एक महीने चले इलाज के बाद शावक ठीक हो गया है। वह नियमित रूप से अपना भोजन और पानी ले रहा है।

एम्स में कैंसर पीड़ित बच्चों के अच्छे इलाज के लिए चर्चा करेंगे विशेषज्ञ

अब सोमवार से शनिवार तक रहेगी यूरोलाजी ओपीडी

भोपाल, देशबन्धु। एम्स भोपाल में कैंसर पीड़ित बच्चों को बेहतर और जल्द इलाज उपलब्ध कराने के लिए एक कार्यशाला बुलाई गई है। इसमें दिल्ली समेत देशभर के विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। यह कार्यशाला 24 सितंबर को होगी। एम्स भोपाल में सितंबर माह में बचपन के कैंसर जागरूकता माह चलाया जा रहा है। यह कार्यशाला कैनकिड्स-किड्सकैन, आइएपी-पीएचओ चैप्टर व एमपी-आइएपी और भोपाल एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से की जाएगी। इस कार्यशाला में बाल रोग विशेषज्ञ साझा देखभाल करना भी सीखेंगे। एम्स नई दिल्ली के एक वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ केंद्रीय पर्यवेक्षक होंगे। मध्य प्रदेश राज्य के पांच अन्य बाल कैंसर विशेषज्ञ बाल रोग विशेषज्ञों के लिए प्रासंगिक अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करेंगे। उधर एम्स के यूरोलाजी विभाग में मरीजों की सुविधा को देखते अब ओपीडी सिर्फ रविवार को बंद रहेगी। सोमवार से शनिवार तक रोजाना यूरोलाजी विभाग की ओपीडी में मरीजों को इलाज मिलेगा। पहले मंगलवार, गुरूवार और शुक्रवार को यूरोलाजी विभाग की ओपीडी रहती थी। अब रविवार को छोड़कर सभी दिन ओपीडी में मरीजों को इलाज मिलेगा।

मतदाता जागरुकता के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन एडीआर, एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 14 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडीआर से रोली शिवहरे, सुभाष गर्ग, आवाज से श्री प्रशांत दुबे रहे। कार्यक्रम डॉ. हेमलता वर्मा कार्यक्रम अधिकारी रासेयो के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य, डॉ. संजय तेलंग के संरक्षण में हुआ। कैम्पस एम्बेसडर सौम्या चौधरी एवं छात्रा स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान किया।

रासेयो ने रैली निकाली

उधर सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय और सैम तकनीकी महाविद्यालय (सैमसेट) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा रैली निकाली गई। साथ ही घर - घर जाकर लोगों को जागरूक किया और वॉलपेंटिंग की गई, जिसमें स्लोगन लिखे गए। यह कार्यकम सैम ग्लोबल विश्वविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ स्वयंसेवक ओम चौरे और सैम तकनीकी महाविद्यालय (सैमसेट) से शिवम त्रिपाठी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 25 स्वयंसेवकों द्वारा की गई।

न्यायालय तहसीलदार, तहसील बैरागढ़ जिला भोपाल म.प्र. (NARENDRA SINGH PARMAR)

सार्वजनिक नोटिस

ममला क्रमांक 0983/अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रवि कुकरेजा पिता श्री जयपालदास कुकरेजा निवासी-भोपाल द्वारा ग्राम-गोदरमऊ तहसील हुजूर जिला भोपाल स्थित भूमि खसरा क्रमांक 527/1/4/9 रकबा 0.137 हे. भूमि का नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। आवेदित भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में मेजर जनरल रिटायर्ड एम.पी.एस. कण्डल आ. स्व. एस.एस.कण्डल एवं श्रीमती हरजीत कण्डल पत्नी मेजर जनरल एम.पी.एस. कण्डल के नाम दर्ज है।

उपरोक्त प्रश्नाधीन भूमि के संबंध में विधिक कार्यवाही किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो पेशी दिनांक 20.09.2023को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता जिसे सम्य रूप से अनुदेश दिये गये हों या वेध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन नामांतरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

तहसीलदार
तहसीलदार, तहसील बैरागढ़ जिला भोपाल म.प्र.

न्यायालय नजूल अधिकारी संत हिरदाराम नगर बैरागढ वृत्त भोपाल

प्र.क्र. 29/अ-6/23-24

इश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिक श्री मोहनलाल वाधवानी पुत्र श्री टेकूमल उर्फ टेकचंद वाधवानी निवासी-57, प्रभु नगर ईदगाह हिल्स भोपाल द्वारा प्रभु नगर ईदगाह हिल्स भोपाल का भूखण्ड क्रमांक 57 क्षेत्रफल 1100 वर्गफिट का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस इश्तहार के जारी होने के दिनांक से 7 दिवस के भीतर न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात् आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.09.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
बैरागढ वृत्त भोपाल

मोबाइल फोन तोड़ने के बाद छात्र फांसी पर झूला

भोपाल, देशबन्धु। शाहपुरा इलाके में रहने वाले सिविल इंजीनियर के इकलौते बेटे ने रविवार देर रात घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी के पहले उसने अपना मोबाइल फोन भी तोड़ दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयश देवनाथ पुत्र जगदीश देवनाथ उम्र 22 वर्ष शिवाय काम्प्लैक्स गुलमोहर कॉलोनी का निवासी था। वह आईटीआई का छात्र था। उसके पिता सिविल इंजीनियर हैं,जबकि बड़ी बहन बेंगलुरु में नौकरी करती है। एक बहन उससे छोटी है, जो स्कूली छात्रा है। रविवार रात करीब 8 बजे जयश के माता-पिता छोटी बेटी को लेकर खरीदारी करने गए थे। इस समय, जयश घर में अकेला था। रात करीब 11 मां-पिता लौटे तो घर का मुख्य द्वार अंदर से बंद था। काफी आवाजें देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। तब पड़ोसियों से मदद मांगी। किसी तरह से घर के गेट को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जहां जयश का शव उसके कमरे में फंदे पर लटका हुआ दिखा। पास में उसका मोबाइल फोन टूटा पड़ा था। परिजनों ने तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जयश का शव पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और टूटा हुआ मोबाइल फोन जब्त किया।

पंजीयन क्रमांक डी.आर.बी. 431/84

श्री ओसवाल स्थानकवासी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित,भोपाल
29, हमीदिया रोड, भोपाल

क्र.: वार्षिक साधारण सभा/2023 दि.: 08.09.2023

वार्षिक साधारण आमसभा की सूचना

संस्था के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि श्री ओसवाल स्थानकवासी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित,भोपाल (म.प्र.)की वार्षिक साधारण आमसभा दिनांक 23-09-2023 दिन-शनिवार को समय प्रातः 11.00 बजे से स्थान श्री ओसवाल जैन छात्रावास, मालवीय नगर, भोपाल पर आयोजित की गई है, आमसभा में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। इस संबंध में सूचना डाक द्वारा पृथक से भेजी जा चुकी है।

(हर्षित जैन)
अध्यक्ष, श्री ओसवाल स्थानकवासी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित,भोपाल

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
यांत्रिकी विभाग (मुख्यालय) गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल.)
निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र. .../यां. वि./2023 दिनांक ../../2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	कार्य की अवधि
1	2023_UAD_308427_1	Construction of Shed at Various Places in Ward 25 Zone 21	504550/-	2 Months

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30 A.M.(time) 16.09.2023 (date) to 17:30 P.M. (time) 03.10.2023 (date).
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in news-paper.

नि. क्रं. 1028 /023/024

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

कार्यालय नगर पालिका परिषद मकरोनिया जिला सागर

क्रं./निविदा/2023/2702 मकरोनिया दिनांक 18.09.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद मकरोनिया को विधानसभा एवं लोकसभा निर्वाचन हेतु निम्नलिखित टेंट सामग्री किराये से प्रदाय करने एवं खाना प्रदाय करने हेतु दरें सर्वे संबंधितों से आइटम दर के आधार पर आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेंडर क्रं.	कार्य का नाम एवं स्थान	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि
	आगामी विधानसभा एवं लोकसभा निर्वाचन हेतु टेंट संबंधी सामग्री किराये से प्रदाय करने का कार्य।	20.00	15000/-	5000/-	18.10.2023
	आगामी विधानसभा एवं लोकसभा निर्वाचन हेतु खाना संबंधी सामग्री प्रदाय करने का कार्य।	15.00	15000/-	5000/-	18.10.2023

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन आनलाइन www.mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
मकरोनिया जिला सागर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मकरोनिया जिला सागर (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अरविंद विहार बागमुगलिया भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक- एच-3/579 मंडल द्वारा श्री अनिल एक्का आत्मज श्री बेनेदिक एक्का के नाम हस्तांरण आदेश क्रं.1461 दिनांक 03.02.2000 हस्तांतरित है। एवं विक्रय पत्र पंजीयन कार्यालय में दिनांक 26.03.2000 को पंजीकृत है। श्रीमती उजमनी एक्का पति स्व. श्री अनिल एक्का द्वारा आवेदन पत्र, मंडल द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र सुश्री गोल्डी एक्का पुत्री स्व.श्री अनिल एक्का, सुश्री सोनाली एक्का पुत्री स्व. श्री अनिल एक्का, सुश्री नेन्सी एक्का पुत्री स्व. श्री अनिल एक्का का अनापित्त शपथ पत्र एवं स्व.श्री अनिल एक्का का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हुये उक्त भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु दस्तोवज प्रस्तुत किये गये है, जो कि इस कार्यालय में विचाराधीन है।

यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी एवं संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर आपत्ति सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

आम सूचना

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी अरविंद विहार बागमुगलिया भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक- एच-2/492 मंडल द्वारा श्रीमती अनु प्रकाश पत्नी श्री विकास प्रकाश के नाम हस्तांतरण आदेश क्रं. 3865-70 दिनांक 29.10.2010 जारी है। एवं विक्रय पत्र पंजीयन कार्यालय में दिनांक 23.08.2010 को पंजीकृत है। श्रीमती अनु प्रकाश पत्नी श्री विकास प्रकाश एवं उदय कुमार मंडल आत्मज श्री निर्मल कुमार मंडल द्वारा आवेदन पत्र, मंडल द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, आई.डी.प्रूफ, संयुक्त शपथ पत्र, परिचय पत्र एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये भूखंड क्रं. एच. 2/492 अरविंद विहार बागमुगलिया भोपाल को श्री उदय कुमार मंडल आत्मज श्री निर्मल कुमार मंडल के नाम हस्तांतरण करने हेतु दस्तोवज प्रस्तुत किये गये है। जो कि इस कार्यालय में विचाराधीन है।

यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी एवं संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर आपत्ति सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल जोन क्रं.-2 भोपाल

भोपाल, मंगलवार 19 सितम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

इतिहास से कटने और अलग दिखने की कवायद

देश के ऐतिहासिक संसद भवन में बुलाये गये अंतिम सत्र का पहला व आखिरी दिन अनुमानों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'वन मैन शो' ही रहा। सत्र प्रारम्भ होने के पहले मीडिया के समक्ष जिस प्रकार से मोदी ने सकारात्मक नोट से अपनी बातें प्रारम्भ कीं तथा लोकसभा के भीतर अपने उद्बोधन में भी कुछ अच्छी बातें करके लोगों को कुछ समय के लिये चकित किया, उससे लगा कि मोदी भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली परम्परा का निर्वहन करते हुए यहां से बिदाई चाहते हैं। होना वही चाहिये था परन्तु अपनी तासीर के मुताबिक उन्होंने वे नकारात्मक बातें भी आखिरकार कह ही डालीं जो कम से कम ऐसे मौकों पर नहीं कहनी चाहिये थीं। बहरहाल, करीब 100 वर्ष पुराना यह संसद भवन, जो महान नेताओं के भाषणों, चर्चाओं, आरोप-प्रत्यारोपों, स्पष्टीकरणों, बयानों, अविश्वास प्रस्ताव लाने और विश्वास मत जीतने, प्रधानमंत्री समेत विभिन्न मतों की सरकारों के बनने व गिरने की अनेकानेक गाथाएं लेकर हमेशा के लिये बन्द हो रहा है। यह भी देखना होगा कि आगे इस भवन का इस्तेमाल किस तरह से मोदी सरकार करती है क्योंकि उनकी विचारधारा के विपरीत वैचारिकी व सैद्धांतिकी का प्रवर्तन करने वाली सारी इमारतों को वे ऐसा रूप देना चाहते हैं कि इतिहास उनका पीछा छोड़ दे।

यहां का सारा माल-असबाब अब नये संसद भवन में तो चला जायेगा लेकिन देखना होगा कि क्या नया संसद भवन लोकतंत्र को वैसा ही मजबूती प्रदान करेगा, जैसा इस भवन के दोनों सदनों- लोकसभा व राज्यसभा ने किया है? देखना यह भी होगा कि क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित असहमति के भी सम्मान की उज्ज्वल परम्परा का निर्वाह नयी संसद कर पायेगी? हालांकि पिछले 9 वर्षों से अधिक समय से देश तो असहमति के कुचलने के ही दृष्टांतों का साक्षी रहा है- संसद के भीतर ही नहीं बल्कि बाहर भी।

लोकसभा का चुनाव अगले साल के मध्य में निर्धारित है। मोदी इसके पहले ऐसा भवन बनवा लेना चाहते थे जिस पर उनका नाम ऐसा लिखा हो जो मिटाया न जा सके। सम्भवत: इसलिये कोरोना के वक्त इसका शिलान्यास हुआ और ढाई-तीन वर्षों की रिकार्ड गति से इसे पूरा कर लिया गया। यह वही समय था जब असंख्य लोग कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर की चपेट में आकर आक्सीजन, एंबुलेंसों, अस्पताल में बिस्तरों की कमी से परेशान थे। श्मशान घाटों में लम्बी कतारें लगी थीं और मृत शरीर या तो नदियों में बहाये जा रहे थे अथवा नदी किनारे रेतों में दबाये जा रहे थे। दुनिया भर में जब सारी सरकारें अपने सारे वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल लोगों के बचाने में कर रही थीं, मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट सेंट्रल विस्टा निर्बाध रूप से साकार हो रहा था। संसद लोगों के लिये होती है परन्तु यह भवन लोगों की जान की परवाह किये बगैर पूरा हो रहा है जिसमें प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में बैठने का गौरव मोदी मंगलवार को प्राप्त करेंगे। एक धर्मनिरपेक्ष देश की सर्वोच्च पंचायत का उद्घाटन एक धर्म विशेष के आराध्य की पूजा-अर्चना के साथ होना साफ संदेश है कि मोदी एक धर्म विशेष को वरीयता देते हैं। सबसे अच्छी बात यह होती कि इसमें सभी धर्मगुरु आमंत्रित होते। ऐसा हो तो बहुत अच्छा है।

मोदी ने आश्चर्यजनक ढंग से ऐसे अनेक नामों का उल्लेख किया जिनका उच्चारण करने से वे कतराते हैं या उनकी सार्वजनिक आलोचना करते हैं। ऐसे लोगों में कांग्रेस के प्रधानमंत्रीगण नेहरू व लालबहादुर शास्त्री से लेकर मनमोहन सिंह तक शामिल हैं। उन्होंने संसद भवन की महत्ता व शक्ति को अनेक सन्दर्भों एवं उदाहरणों से स्थापित तो किया परन्तु यह समझाने में वे असफल रहे कि अगर यह भवन इतना महत्वपूर्ण है तो उसे छोड़कर नया भवन क्यों अपनाया जा रहा है जबकि सच्चे लोकतांत्रिक देशों के सांसद अपनी ऐतिहासिक इमारतों में ही बैठकर जनसेवा करते हैं। उनका बार-बार यह कहना कि नये भवन में नयी ऊर्जा, नये संकल्पों और नये विश्वास के साथ काम होगा, कहीं से इतने बड़े निर्णय को तर्कसंगत नहीं ठहराता क्योंकि ऊर्जा, संकल्प और विश्वास का सम्बन्ध तो मन से है। भला सीमेंट और सरियों से बनी इमारत से उसका क्या लेना-देना है? आखिरकार वर्ष 1947 में 14 व 15 अगस्त की रात को नेहरू ने जो अपना महान भाषण 'नियति से साक्षात्कार' (ट्रिस्ट विद डेस्टिनी) को पढ़ा था, वह भी तो अंग्रेजों की बनवाई इसी इमारत के इसी हाल में पढ़ा था जहां खुद मोदी ने 9 वर्षों से अधिक शासन किया और कई फैसले लिये हैं। यह अलग बात है कि वे सारे असफल सिद्ध हुए जिन्होंने देश को बदहाल व विभाजित ही किया है।

सम्भवत: अपनी इन्हीं नाकामियों से पीछा छुड़ाने के अलावा इतिहास से खुद के साथ तमाम भावी पीढ़ियों को काटने के लिये मोदी नयी इमारत का रुख कर रहे हैं। शायद यह भवन उन्हें उदात्त लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मर्यादाओं की बारम्बार याद दिलाता होगा। भारत के जिन महान आदर्श पुरुषों की वे आलोचना करते हुए भी उनके समकक्ष होना चाहते हैं, उन्होंने मोदी को इस भवन की चारदीवारियों के बीच सहज नहीं होने दिया होगा। इतिहास से वे अलग दिखना चाहते हैं, इसलिये वे इससे बचकर अपने लिये अलग शरणस्थली निर्मित कर चुके हैं, जहां दूसरे दिन की कार्रवाई होगी, इस सत्र के तहत 22 सितम्बर तक होगी और आगे भी होती रहेगी। शायद मोदी सोचते होंगे कि नये भवन में जाने से इतिहास नये सिरे से लिखा जायेगा जिसमें उनकी नापसंदगी के लोग व घटनाएं नहीं होंगी और अकेले वे ही होंगे, तो वे भूल कर रहे हैं। पते बदल जाने से इतिहास नहीं बदलता।

विशेष सत्र, मोदी जी की वाहवाही के लिए!

संसद के रहस्यमय विशेष सत्र का रहस्य, इस सत्र की पहली बैठक से ही काफी हद तक खुल गया लगता है। ऐसा नहीं है कि तमाम संसदीय नियम-कायदों तथा जनतंत्र के तकाजों के विपरीत, मोदी मंडली ने अब भी सांसदों से भी इसकी जानकारी छुपाने की कोशिश खत्म कर दी हो कि पांच दिन के इस विशेष सत्र में, आखिर विशेष क्या होगा? हैरानी की बात नहीं है कि विशेष सत्र से ठीक पहले, संसद में प्रतिनिधित्व-प्राप्त सभी पार्टियों की बैठक के बाद भी, राज्य सभा में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह, बहुत मुखर होकर इसकी शिकायत कर रहे थे कि इस बैठक तक में, विभिन्न पार्टियों के नेताओं को यह नहीं बताया गया कि सत्र में ठीक-ठीक, क्या-क्या होने जा रहा है। दोनों सदनों के संदर्भ में जिन कतिपय विधेयकों के लिए जाने की जानकारी आयी है, उनके अलावा भी कुछ है जो अभी नहीं बताया जा रहा है, इस धारणा को मोदी मंडली अब भी सायास बल दे रही है। और तो और, सत्र शुरू होने के ऐन पहले, संसद के बाहर मीडिया के लिए अपने एकालापी संबोधन में, प्रधानमंत्री ने जिस तरह, विशेष सत्र के 'समय में छोटा' किंतु 'ऐतिहासिक निर्णयों' से भरा होने की बात कही है, उसने भी सत्र के 'छुपे एजेंडा' की अटकलों को कुछ बल ही दिया है।

इसके बावजूद, इस विशेष सत्र की लोकसभा की पहली बैठक की शुरूआत से इस संभावना को बहुत बल मिला है कि शायद इस विशेष सत्र की मुख्य विशेषता, इसका प्रधानमंत्री की मोदी की वाहवाही का विशेष अवसर बनाया जाना ही हो। जैसाकि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, लोकसभा की बैठक की शुरूआत स्पीकर द्वारा जी-20 के सफल आयोजन के लिए बधाई देने के नाम पर, प्रधानमंत्री मोदी के ''नेतृत्व'' की भूरि-भूरि प्रशंसा किए जाने के साथ हुई। और इसके फौरन बाद, 'संसद की 75 वर्ष की यात्रा' पर प्रधानमंत्री मोदी के विस्तृत संबोधन में, जी-20 की सफलता के लिए आत्मश्लाघा के इस सिलसिले को और आगे बढ़ाया गया, जिसका संकेत प्रधानमंत्री ने बैठक शुरू होने से पहले के, संसद के दरवाजे पर दिए गए अपने वक्तव्य में ही दे दिया था। और जैसाकि आसानी से अनुमान लगाया जा सकता था, प्रधानमंत्री ने इसके साथ चंद्रयान-3 की सफलता को भी जोड़ दिया। इसके लिए वह अपने खास अंदाज में चांद पर तिरंगा फहराने के साथ ही, शिव-शक्ति पाइंट की याद दिलाना नहीं भूले।

फिर भी प्रधानमंत्री मोदी के इस लगभग एक घंटे के भाषण से लोकसभा को कुछ हैरानी जरूर हुई होगी। संसद की 75 वर्ष की यात्रा की चर्चा का प्रधानमंत्री का यह भाषण, कुछ ज्यादा ही मौके के अनुरूप था। पिछले नौ साल से ज्यादा में नरेंद्र मोदी का संसद में और वास्तव में संसद के बाहर भी, दूसरा शायद ही कोई ऐसा भाषण हुआ होगा, जिसमें उन्होंने अपने से पहले के दौर को, इतनी उदारता से याद किया होगा। नरेंद्र मोदी के मुंह से पंडित जवाहरलाल नेहरू और श्रीमती इंदिरा गांधी के लिए प्रशंसा के शब्द सुनकर, बहुतों को अवश्य हैरानी हुई होगी। जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि के ''ट्राइस्ट विद डेस्टिनी'' वाले भाषण का ही संसद की 75 साल की यात्रा में नरेंद्र मोदी ने उल्लेख नहीं किया, बांग्लादेश के

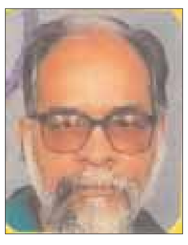

राजेन्द्र शर्मा

> मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व या यूपीए-1 के दौर में वामपंथ के दबाव में बने सूचना का अधिकार, वनाधिकार, शिक्षा का अधिकार तथा ग्रामीण रोजगार अधिकार कानूनों और यहां तक कि लोकपाल कानून के रूप में, आम जनता को अधिकारसंपन्न करने के पहलू से हुई प्रगति के तो, नरेंद्र मोदी जैसे सैद्धांतिक रूप से ही खिलाफ हैं। उनका मानना तो यह है कि अधिकारों के शोर से देश यानी जनता को ''कर्तव्यों'' की ओर ले जाने की जरूरत है।

आंदोलन के लिए इंदिरा गांधी के समर्थन और बांग्लादेश की स्थापना में योगदान का भी उल्लेख करना उन्हें जरूरी लगा। प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से ऐसे निर्विवाद और अनाक्रामक बोल सुनना, कम से कम अब बेशक हैरान करता है।

फिर भी इसका अर्थ यह नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस संबोधन में सचमुच पूरी तटस्थता से, संसद की 75 साल की यात्रा का आख्यान प्रस्तुत करने की कोशिश की। जाहिर है कि मोदी के लिए न तो यह संभव था और न ही उनसे कोई इसकी अपेक्षा भी करता है। उल्टे मोदी से वस्तुगतता की अपेक्षा इतनी कम हो चुकी है कि उनके भाषण में खासतौर पर विपक्षियों के प्रति आक्रामकता में कमी और लंबे अर्से तक प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने वाले कांग्रेस से जुड़े अपने पूर्व-वर्तियों, विशेष रूप से नेहरू तथा इंदिरा गांधी के लिए सम्मान के दो शब्द कहने भर से, उनका भाषण हैरान करने वाला लगने लगा। वर्ना नरेंद्र मोदी की इस ओढ़ी हुई उदारता की ''सीमाएं'' भी साफ दिखाई दे रही थीं। जिस तरह उन्होंने पूर्व-प्रधानमंत्रियों में राजीव गांधी का जिक्र तक करना जरूरी नहीं समझा और मनमोहन सिंह के कार्यकाल को किसी भी सकारात्मक चीज के लिए याद करना तो दूर रहा, सिर्फ उनके दौर में हुए ''कैश फॉर वोट'' प्रकरण के लिए ही याद करना जरूरी समझा, उससे साफ था कि प्रधानमंत्री मोदी का रुख नहीं बदला था, वह सिर्फ मौके के हिसाब से अपना स्वर थोड़ा एडजस्ट कर रहे थे। वर्ना प्रधानमंत्री को इसका बखूबी पता होगा कि कैसे ''कैश फॉर वोट'' प्रकरण की जांच में आखिरकार, कुछ भी नहीं निकला था। उल्टे उस प्रकरण में मास्टर माइंड के रूप में कुख्यात हुए, दिवंगत अमर सिंह, अपने आखिरी समय में नरेंद्र मोदी की पार्टी के ही साथ जुड़ चुके थे।

मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व या यूपीए-1 के दौर में वामपंथ के दबाव में बने सूचना का अधिकार, वनाधिकार, शिक्षा का अधिकार तथा ग्रामीण रोजगार अधिकार कानूनों और यहां तक कि लोकपाल कानून के रूप में, आम जनता को अधिकारसंपन्न करने के पहलू से हुई प्रगति के तो, नरेंद्र मोदी जैसे सैद्धांतिक रूप से ही खिलाफ हैं। उनका मानना तो यह है कि अधिकारों के शोर से देश यानी जनता को ''कर्तव्यों'' की ओर ले जाने की जरूरत है। यह भी हैरानी की बात नहीं है कि लोकसभा के स्पीकरों का जिक्र करते हुए भी, नरेंद्र मोदी को पहले स्पीकर के बाद, सिर्फ भाजपा के दो स्पीकरों के नाम याद रहे और सोमनाथ चैटर्जी तक का नाम याद नहीं रहा। दूसरी ओर, खुद ही अपनी प्रशंसा का बाजा बजाते हुए नरेंद्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में संविधान की धारा-370 का खत्म किया जाना, जीएसटी आदि, अपने हिसाब से अपनी पहले की तमाम उपलब्धियों का भी ठीक-ठाक तरीके से बखान किया, जबकि किन्हीं सीमाओं के जिक्र को अपने आस-पास फटकने तक नहीं दिया। आखिरकार, उन्हें अपने पूर्ववर्तियों के कार्यकाल की उतार-चढ़ाव भरी कहानी के सामने, अपनी सिर्फ कामयाबियों भरी कहानी जो पेश करनी थी।

फिर भी कुल मिलाकर यह प्रधानमंत्री मोदी का एक प्रकार से विदाई भाषण था। और विदाई भाषण के अनुरूप इसमें पूर्व-वर्तियों के प्रति कुछ उदारता थी और सब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन था। हालांकि, मोदी जी को यह बखूबी याद था कि यह विदाई पुराने संसद भवन की ही थी, जिसका पता संसद की दीवारों तक के प्रति उनके कृतज्ञता ज्ञापन से लगता था, फिर भी यह भाषण सुनते हुए बहुतों को यह मोदी जी का विदाई भाषण ही लगा हो, तो हैरानी की बात नहीं होगी। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन, इस विशेष सत्र के बुलाए जाने के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक था। याद रहे कि यह सिर्फ प्रधानमंत्री के संबोधन की बात नहीं है। यह पुराने संसद भवन से संसद के नये भवन में जाने को, अपने आप में एक बड़े और ऐतिहासिक ईवेंट का रूप दिए जाने का मामला है। और इस संबोधन के जरिए प्रधानमंत्री मोदी को उसी प्रकार, इस समूचे ईवेंट के केंद्र में स्थापित किया जाना है, जैसे सेंगोल संस्कार के माध्यम से, प्रधानमंत्री मोदी को जून के आखिर में हुए नये संसद भवन के उद्घाटन के ईवेंट के केंद्र में स्थापित किया गया था। इस ईवेंट पर अतिरिक्त ऐतिहासिकता लादने की सचेत कोशिश में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विदाई संबोधन के आखिर में यह याद दिलाने का विशेष रूप से ध्यान रखा कि वह, वर्तमान और भविष्य के संधिकाल पर खड़े थे; वर्तमान को भविष्य से जोड़ने वाली कड़ी पर खड़े होकर देश का नेतृत्व कर रहे हैं। यह खुद ही अपने लिए जबर्दस्ती महानता का आविष्कार की सचेत कोशिश के सिवा और कुछ नहीं है।

पांच दिन के सत्र में से पहला दिन, 'संसदीय यात्रा' में और दूसरा दिन सांसदों के नये भवन में प्रवेश में निकल जाने के बाद, बचे हुए तीन दिनों में कोई और धमाका किए जाने के आसार कम ही हैं। उधर कांग्रेस के महिला आरक्षण का मुद्दा उठाने तथा बीआरएस के सांसदों के इस मांग पर संसद में गांधी की प्रतिमा पर प्रदर्शन करने के बाद, महिला आरक्षण के मामले में भी मोदी सरकार के कोई धमाका करने की उम्मीद लगभग खत्म ही हो गयी है। ऐसे में हैरानी की बात नहीं होगी कि संसद भवन तबादले के बाद, बाकी विशेष सत्र सरकारी काम की रस्मअदायगी में ही गुजरे और आगे कोई उल्लेखनीय ईवेंट न हो। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी की वाहवाही के इस नयी संसद ईवेंट के बाद और कोई ईवेंट होगा तो अब, इस मुख्य ईवेंट से ध्यान बंटाने का ही काम करेगा और यह मोदी जी के छवि निर्माताओं को हर्गिज मंजूर नहीं होगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव पर व्यापक बहस और चर्चा की जरूरत

■ हरिहर स्वरूप

एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर बहस दो संबंधित विषयों - तकनीकी व्यवहार्यता और राजनीतिक उद्देश्यों - के इर्द-गिर्द घूमती हुई प्रतीत होती है। इस मकसद के समर्थक कई तकनीकी मुद्दों को उठाते हैं -जैसे चुनाव की बढ़ती लागत, प्रशासनिक तकनीकी समस्याएं और भ्रष्टाचार की संभावनाएं, शासन पर लगातार चुनावों का नकारात्मक प्रभाव और नीतिगत पहल का चुनाव-केंद्रित होना।

ये चिंताएँ बिल्कुल नयी नहीं हैं। चुनाव सुधारों पर विभिन्न आधिकारिक रिपोर्टों, जिनमें विधि आयोग की 170वीं रिपोर्ट भी शामिल है, जिसका हाल ही में जारी सरकारी अधिसूचना में प्रमुखता से उल्लेख किया गया है, ने कई मौकों पर इन महत्वपूर्ण तकनीकी प्रशासनिक सवालों को उठाया है। इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि ये मुद्दे हमारी लोकतांत्रिक राजनीति के कार्यात्मक पहलुओं को प्रभावित करते हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' थीसिस के विरोधी भाजपा के राजनीतिक उत्साह पर सवाल उठाते हैं। सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति को एक सोची-समझी राजनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रस्ताव को लागू कैसे किया जा सकता है उसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में गठित एक उच्चस्तरीय समिति में विपक्ष के नेता के रूप में शामिल किये गये कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने समिति के संदर्भ की शर्तों की आलोचना की है।

अधीर रंजन चौधरी की राय में, यह प्रस्ताव राजनीति से प्रेरित है तथा 'आधारभूत रूप से गैर-व्यवहार्य और तार्किक रूप से कार्यान्वित नहीं हो सकने वाला' है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल अपनी आलोचना में एक कदम और आगे बढ़ गये हैं। उनके मुताबिक, 'अगर एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू हो गया तो वे (भाजपा नेता) पांच साल तक अपना चेहरा नहीं दिखायेंगे।'

चुनाव सुधार बनाम राजनीतिक मकसद की बहस ने निश्चित रूप से हमारे सार्वजनिक बहस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चुनाव, जिसे हमेशा हमारी राजनीतिक व्यवस्था का एक सुलझा हुआ मुद्दा माना जाता रहा है, लोकतंत्र का एक खुला और अनसुलझा प्रश्न बनकर उभरा है। सटीक रूप से, इसी कारण से, संविधान की ओर वापस जाने की आवश्यकता है जो लोकतंत्र की एक स्पष्ट, निरंतर विकसित होने वाली अवधारणा की परिकल्पना करता है। इस अर्थ में, संविधान को एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के पुनर्मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु के रूप में लिया जा सकता है।

विशेष रूप से, हमें एक बहुत ही बुनियादी प्रश्न की जांच करने की आवश्यकता है- औपनिवेशिक भारतीय संदर्भ में संवैधानिक लोकतंत्र और चुनावों के बीच क्या संबंध है?

हमें याद रखना चाहिए कि भारतीय संविधान एक राजनीतिक आंदोलन का परिणाम है। हमारा राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम, विशेष रूप से, महात्मा गांधी के नेतृत्व में इसका प्रमुख संघर्ष, केवल उपनिवेशवाद विरोधी नहीं था, यह सामाजिक परिवर्तन के व्यापक उद्देश्य को प्राप्त करने में लोगों की भागीदारी के विचार के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध था। यह राजनीतिक कल्पना उन संसाधनों में से एक थी जिसने संविधान सभा में विचार-विमर्श को प्रभावित किया।

संविधान ने अंतत: संसदीय लोकतंत्र को न केवल सरकार के एक रूप के रूप में, बल्कि भविष्य के भारत में राष्ट्रीय आंदोलन की आकांक्षाओं को साकार करने के एक साधन के रूप में भी अपनाया।

> चुनाव सुधार बनाम राजनीतिक मकसद की बहस ने निश्चित रूप से हमारे सार्वजनिक बहस में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चुनाव, जिसे हमेशा हमारी राजनीतिक व्यवस्था का एक सुलझा हुआ मुद्दा माना जाता रहा है, लोकतंत्र का एक खुला और अनसुलझा प्रश्न बनकर उभरा है। सटीक रूप से, इसी कारण से, संविधान की ओर वापस जाने की आवश्यकता है जो लोकतंत्र की एक स्पष्ट, निरंतर विकसित होने वाली अवधारणा की परिकल्पना करता है। इस अर्थ में, संविधान को एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के पुनर्मूल्यांकन के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु के रूप में लिया जा सकता है।

इस अर्थ में, संविधान हमें समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित एक धर्मनिरपेक्ष राजनीति बनाने के लिए लोकतंत्र का भविष्य-उन्मुख अर्थ प्रदान करता है।

हालाँकि, संविधान एक कानूनी-प्रशासनिक दस्तावेज़ भी है। इसे उस तंत्र का वर्णन करना होगा जिसके द्वारा लोकतंत्र की इस आदर्श कल्पना को वास्तविक रूप से कार्यान्वित किया जा सके। यह चुनाव के विचार को बहुत प्रासंगिक बनाता है। अनुच्छेद 324-327 को ध्यान से पढ़ने पर पता चलता है कि चुनाव को स्पष्ट रूप से धर्मनिरपेक्ष अर्थों में नागरिकों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है। संविधान सरकार को यह याद दिलाता प्रतीत होता है कि लोकतंत्र एक राजनीतिक गुण है, जिसे बीआर अंबेडकर द्वारा संवैधानिक नैतिकता कहे जाने वाले सिद्धांत को विकसित करके पूरी तरह से महसूस किया जाना चाहिए; और इस तर्क के अनुसार, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना राजनीति को उत्तरदायी और लोकतांत्रिक बनाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है।

संविधान सर्वोच्च विधायी निकाय, संसद को इस लोकतंत्र-चुनाव संतुलन को मजबूत करने के लिए भविष्य के कानून बनाने का अधिकार देता है। साथ ही, यह अपेक्षा की जाती है कि न्यायपालिका जन-आधारित कानूनी व्याख्याओं को विकसित करके इस संवैधानिक जनादेश की फिर से रक्षा करे। बुनियादी संरचना सिद्धांत इस संबंध में एक अच्छा उदाहरण है।

पावन प्रसंग

आत्मा और मन की दीवाली है संवत्सरी महापर्व

आज संवत्सरी का महापर्व है। जन-जन के अन्तर्मानस में अभिनव जागृति का संदेश लेकर यह पर्व उपस्थित हो गया है। इसे क्षमा पर्व भी कहते हैं। इस पर्व को मनाने का क्या उद्देश्य है? आज ही क्यों मनाया जाता है? आगे पीछे भी तो मनाया जा सकता है, पर ऐसी बात नहीं है। इस पर्व के पीछे एक इतिहास है, उसे जानना-समझना भी प्रासंगिक है।चातुर्मास के एक सौ बीस दिनों में जब सत्तर दिन शेष रह जाते हैं और शुरु के उनपचास दिन बीतने पर जब पचासवाँ दिन आता है तो वहीं सांवत्सरिक दिवस होता है। पचासवें दिन को संवत्सरी के रूप में मनाने का क्या रहस्य है? इसे भी आप जानें।

उत्सर्पिणीकाल के पहले आरे में प्रकृति असौम्य और कुपित थी। सूर्य का ताप इतना प्रचण्ड-भीषण था कि मानव का खुले में रहना तो दूर, घूम-फिर भी नहीं सकता था। धरती की रेत-बालू का स्पर्श दहकती आग के समान था। उस समय का मानव प्रकृति की इस प्रतिकूलता के कारण- गंगा-सिन्धु नदियों के किनारे, वैताढ्य पर्वत की गुफाओं में रहता था। प्रात:काल की ठंडक में तत्कालीन मनुष्य जलीय जीवों को रेत-बालू में गाड़कर गुफाओं में चले जाते थे। शाम तक वे जीव उष्मा से पक जाते थे। तब शाम को इन्हीं जीवों का वे आहार करते थे। मनुष्य मांसभक्षी और हिंसक थे। यों कहना चाहिए कि उत्सर्पिणीकाल के पहले. आरे का मनुष्य, मानव न होकर दानव, क्रूर, असहिष्णु, हिंसक और निर्दयी था। जब दूसरा आरा शुरू हुआ तो प्रकृति ने अपना रूप बदला वह सौम्य और अनुकूल होने लगी। संवर्त्तक मेघों की वृष्टि सात दिन तक हुई। फिर सात दिन मौसम खुश्क और खुला रहा। फिर सात दिन दुग्ध वृष्टि हुई। फिर सात दिन मौसम खुला रहा। सात-सात दिन के इसी क्रम से अमृतमेघ, रसमेघ, घृतमेघ और जलमेघ लगातार वर्षे। एक कम पचास, उनपचास दिन बीते तो प्रकृति हरी-भरी हो गई। फल-फूलों से वृक्ष लद चुके थे। पचासवें दिन का मौसम बड़ा सुहाना और था। सभी मानव गुफाओं से बाहर निकले और आपस में मिलकर एक संकल्प किया-हमारे खाने को जब इतने अच्छे मीठे मधुरे फल हैं तो अब हम मांस का उपयोग क्यों करें? हम विशुद्ध शाकाहारी क्यों न बनें। इस प्रकार आज के ही दिन मनुष्यों ने क्रूरता और हिंसा का त्याग कर प्रेम का पाठ सीखा। इस प्रकार अपने अन्त:करण की शुद्धि के संकल्प का वह दिन सांवत्सरिक दिन निश्चित हुआ। यह नव वर्ष का पहला दिन है। बोलचाल, जन प्रचलन में यही सांवत्सरिक पर्व या 'संवत्सरी' के नाम से जाना जाने लगा।

संवत्सरी पर्व यद्यपि जैन समाज का महापर्व है, पर मेरी दृष्टि में तो दानवता से मानवता का वरण करने के कारण यह मानवता का महापर्व है। शास्त्रों में ऐसा उल्लेख है कि भगवान महावीर ने आत्मशुद्धि के लिए इसी दिन को सांवत्सरिक दिवस निश्चित किया-

क्षमा करें और क्षमा माँग लें, जीत है इसमें हार नहीं।
क्षमा वीर का भूषण हैं, यह कायर का व्यवहार नहीं

अन्त पुन: आप सभी से मेरा विशेष आग्रह है कि पारस्परिकता को प्रगाढ़ता दें, एक-दूसरे को ठीक तरह से समझें, किसी के प्रति कटुता और कालुष्य का भाव अपने मन में न रखें। कटुता का भाव सबसे पहले उसी का अनिष्ट करता है, जो इसे अपने भीतर स्थान देता है। क्षमा और समत्व के आधार पर सम्पूर्ण संसार में निश्चित रूप से मधुरता से परिपूर्ण वातावरण निर्मित किया जा सकता है। यदि ऐसा कुछ कर पाये और मैत्री भाव के दीप संजो सके तो यह महापर्व सम्वत्सरी सभी के लिए वरदान रूप सिद्ध होगा।

कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

प्रेमी युगलों की मौतें कैसे रोकी जाएं ?

लगभग प्रतिदिन प्रेमी जोड़ों द्वारा आत्महत्या कर मृत्यु का आलिंगन करने के समाचार पढ़ने को मिलते हैं। क्या कारण है कि आज भी समाज प्रेमी जोड़ों को जिंदा रहकर जीवन जीने का अवसर नहीं देता। जो युवक-युवती प्रेम विवाह करते हैं उनमें से कईयों की या तो हत्या कर दी जाती है या वे स्वयं परेशान होकर आत्महत्या कर लेते हैं। कल (17 सितंबर 2023) के अखबारों में एक प्रेमी जोड़े द्वारा की गई आत्महत्या का समाचार पढ़ने को मिला। यह जोड़ा नरसिंहपुर जिले से आत्महत्या करने के लिए भोपाल आया था। उसने एक दुर्गम स्थान पर आत्महत्या की।

कुछ दिनों पूर्व अहमदाबाद से यह समाचार आया था कि एक पूरे परिवार ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली क्योंकि उनके परिवार की एक बेटी ने एक दलित युवक से प्रेम विवाह कर लिया था। प्रेम एक अत्यधिक पवित्र रिश्ता होता है। अनेक प्रेम के रिश्ते से किए गए विवाह आज सदियों बाद भी याद किए जाते हैं। इनमें लैला-मंजनू, शीरी-फरहाद, सोहनी-महिवाल, ब्रिटेन के राजा द्वारा प्रेम की खातिर गद्दी त्यागकर एक साधारण परिवार की लड़की से विवाह आदि शामिल हैं। ''मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई'' मीरा का यह भजन आज भी करोड़ों लोगों की जुबान पर है। यद्यपि इसे आध्यात्मिक प्रेम के रूप में याद किया जाता है। प्रेम पर आधारित बनीं अनेक फिल्में, कहानियां और उपन्यास बड़े चाव से देखे और पढ़े जाते हैं।

इस सबके बावजूद प्रेम हत्याओं और आत्म हत्याओं की वजह बनता है। दु:ख की बात है कि समस्या की ओर समाज का ध्यान नहीं गया है। वैसे संविधान और कानून में किसी भी वयस्क व्यक्ति को स्वयं के बारे में विवाह समेत किसी भी प्रकार का निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। परंतु किसी परिवार का वयस्क युवक या युवती स्वत: निर्णय लेकर अपने प्रेमी से विवाह कर लेता है तो उसके परिवार के सदस्यों के अहं को चोट लग जाती है और फिर वह उसकी हत्या पर आमादा हो जाता है।

इसी तरह एक परिवार ने अपनी बेटी से बदला लेने के लिए उसके साथ उसके भाई और भाभी के रहने का प्रबंध किया ताकि मौका पाकर विद्रोही बेटी की हत्या की जा सके।

मेरी राय में संपूर्ण समाज, कानूनविदों, जनप्रतिनिधियों आदि को मिलकर कोई ऐसा निदान ढूंढना चाहिए ताकि प्रेम के नाम पर और प्रेम के कारण अनावश्यक खून-खराबा बंद हो सके और प्रेम संबंधों को लेकर मधुर गीत गाए जा सकें।

-एल. एस. हरदेनिया

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी, आवारा मवेशियों को किया बाहर

गंजबासौदा, देशबन्धु। 19 सितंबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल होने नगर आ रहे हैं। उनके आगमन की तैयारी को लेकर नगर पालिका के कर्मचारी आज दिनभर आवारा मवेशियों को खदेड़ कर शहर के बाहर करते देखे गए। सरकार द्वारा दर्जनों गौशालाएं बनाई गई और उनके संचालन के लिए सरकार द्वारा राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है लेकिन, उनका सही ढंग से क्रियान्वयन ना होने के कारण सड़कों पर सैकड़ों की संख्या में आवारा मवेशी घूमते देखे जाते हैं, यह मवेशी एक और जहां दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं वहीं, गोबर आदि करके सड़कों पर गंदगी फैला रहे हैं इन आवारा मवेशियों से किसान। भी परेशान है। आवारा मवेशी खेतों में खड़ी फसलों को नष्ट कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया

गंजबासौदा, देशबन्धु। नेहरू युवा केंद्र विदिशा के तत्वाधान में सावित्री महिला मंडल के सहयोग से नरेंद्र मोदी का जन्मदिन विकास दिवस के रूप में मनाया गया , जिसमें मुख्य रूप से मंडल की संरक्षक वंदना तिवारी, अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनाली शेवड़े ,विद्यालय प्राचार्य, सुनील कुशवाहा, जितेंद्र राजपूत, जयमाला खापरे, नीतू जाटव, रितु शर्मा ,दीक्षा राजपूत ,संजय रघुवंशी, सिंधु सुता शर्मा, अंजलि विश्वकर्मा, आस्था गुर्जर, ईशा सैनी ,स्वेता चौरसिया ,निशा मीना आदि उपस्थित थे । इस अवसर पर सभी ने अपने यशस्वी प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी, और स्पंदन स्कूल प्रांगण में पौधारोपण किया पौधारोपण कर उनके संरक्षण की जवाबदारी भी दी गई एवं संगोष्ठी के साथ स्वच्छता की शपथ दिलाई स्वच्छता के लिए जागरूकता का आह्वान किया गया ।

नगर के 2 खिलाड़ियों का नेशनल कोचिंग कैम्प के लिए चयन

भेरुन्दा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। नगर से आयुषि यादव, ऋषभ हरियाले का हुआ चयन दिल्ली में होने वाले नेशनल कैम्प जिसमे पूरे भारत से लगभग 40 से 50 बच्चों का चयन किया गया 15 दिन कोचिंग के बाद भारतीय टीम की घोषणा की जाएगी जो कि आने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम की भारतीय टीम की घोषणा के बाद टीम इंडिया विदेश दौरे के लिए रवाना होगी। भारतीय खो खो फेडरेशन के संयुक्त सचिव एवं मध्यप्रदेश खो खो संघ के सचिव संजय यादव ने बताया की बगर्व की बात है कि नगर से पहली बार दो खिलाड़ियों का चयन ऐसे कैम्प के लिए हुए जो आज तक नही हुआ। यह सब बच्चों की मेहनत का फल है ।जो उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। इसमें आयुषि यादव इस साल हुए खेलो इंडिया में मध्यप्रदेश की टीम का हिस्सा रही। वही द्रुषभ हरियाले ने जूनियर वर्ग में 2022 में नेशनल में मध्यप्रदेश की टीम में अपनी जगह बनाई थी । इस अवसर पर खो खो कल्याण संघ के समस्त पदाधिकारी एवं समस्त नगरवासी एवं क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं दी।

विकास रथ ग्रामीणों को दे रहे योजनाओं की जानकारी

रायसेन, देशबन्धु। प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने के लिए रायसेन जिले की सभी विधानसभाओं में ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में विकास रथों द्वारा निरंतर भ्रमण किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 सितम्बर को उदयपुरा तहसील के देहरीकलां, भारकच्छकलां, संखेड़ा सहित अन्य ग्रामों और गौहरगंज तहसील के बेजालपुर, डंगरवारा, नयापुरा सोडरपुर सहित अन्य ग्रामों में पहुंचकर विकास रथों द्वारा एलईडी पर वीडियो क्लिप प्रसारित कर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ, मुख्यमंत्री किसान कल्याण सहित अन्य योजनाओं तथा विकास कार्यो की जानकारी दी गई।

लाड़ली बहना गरीब कल्याण की अनूठी योजना : बिस्वा

▶ जनआशीर्वाद यात्रा में नगर पहंचे असम के मुख्यमंत्री

सिरोंज, देशबन्धु। देश में गरीब कल्याण की कोई सबसे बड़ी योजना शुरू हुई है तो वह मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के रूप में हुई है। मैंने भी शिवराज जी से कहा है कि हमें भी इस योजना के लागू करने के तरीके बताओ जिससे कि हम हमारे असम प्रदेश की बहनों को लाभ दे सकें। यह बात असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सिरोंज में आशीर्वाद यात्रा के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश की महिलाएं आत्म निर्भर ओर शिक्षित हो रही है। मध्यप्रदेश में गैस सिलेंडर भी 900 की जगहह 450 रुपए में प्रदान किया जा रहा है गरीब कल्याण का ऐसा काम देश मे कही नहीं हुआ है। मैं 22 साल कांग्रेस में रहा दिग्विजय सिंह की सरकार में मध्यप्रदेश आने का मौका भी मिला था यहां की सड़कों में गड्ढे थे लाइट आती ही नहीं थी। आज भाजपा सरकार में मध्यप्रदेश देश के विकसित राज्यो की श्रेणी में आ गया है। हेलीकॉप्टर से आकर दोपहर करीब साढ़े बारह बजे सभा स्थल पहुंचे हिमंता बिस्वा की आगवानी हजारों की संख्या में सभा मे उपस्थित लाड़ली बहना कर रही थी यह अपनापन देख असम के मुख्यमंत्री सुरक्षा घेरे को तोड़कर इन महिलाओं के बीच जा पहुंचे और कुशलक्षेम पूछ आशीर्वाद लिया। आमसभा के दौरान असम के मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विधायक उमाकान्त शर्मा की कार्यशैली से खासे प्रभावित दिखाई दिए ।उन्होंने कहा कि मैं उमाकांत जी का भाषण सुनकर अत्यंत प्रभावित हूं और उनको स्टार प्रचारक के रूप में आसाम लेकर जाउंगा। आमसभा को सम्बोधित करते हुए प्रदेश सरकार के मंत्री राम खेलावन पटेल ने कहा कि शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है । जनकल्याण की अनेको योजनाएँ प्रदेश सरकार ने प्रारम्भ की है चाहे वह लाडली बहना, किसान सम्मान निधि हो या गाँवों के हित मे सीखो कमाओ योजना हो ।

स्वागत भाषण देते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा भारत की सनातन हिन्दू संस्कृति के गौरव है। आज उनके यहां आने से हम सभी कार्यकर्ताओं को आत्मबल मिला है। इसके पूर्व विधायक उमाकांत शर्मा ने बिस्वा का केसरिया शॉल के साथ कमल के फूल की माला पहनाकर हनुमान जी की गदा भेंट कर सम्मान किया। आमसभा का संचालन शिवकुमार भार्गव ने किया ।इस दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश से यात्रा प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत प्रदेश सरकार के मंत्री राम खिलावन पटेल,यात्रा प्रभारी रणवीर रावत एवं विधायक उमाकान्त शर्मा जनआशीर्वाद यात्रा में चल रहे रथ में सवार हुए।

युवा कांग्रेस ने काले झंडे दिखवाए

सिरोंज, देशबन्धु। युवा कांग्रेस के सदस्यों ने असम के मुख्यमंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाएं तो पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पहले मामले में युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष आतीक मंसूरी के नेतृत्व में दिखाए जा रहे झंडों समेत पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और थाने में बैठा दिया। दूसरे मामले में युवक कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष जितेंद्र बघेल के नेतृत्व में काले झंडे काफिले के दौरान दिखाते रहे परंतु कुछ ही देर बाद एसडीओपी के नेतृत्व में आई पुलिस वाहन ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अनु.विभागीय अधिकारी ने काले झंडे दिखा रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ता को थप्पड़ जड़ दिए। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जितेंद्र बघेल का कहना था कि के असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा ने राहुल गांधी के परिवार के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की थी इस कारण हमने उनका विरोध किया है। पुलिस ने 13 लोगों को रफ्तार कर धारा 151 के तहत कार्रवाई की।

स्वास्थ्य मंत्री ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुकाएं पहनाकर प्रदान की पानी की बॉटल और साड़ी

तेंदूपत्ता संग्राहकों की परेशानियां दूर कर रहे मुख्यमंत्री: डॉ. चौधरी

रायसेन, देशबन्धु। गैरतगंज तहसील के इको सेंटर रेंज परिसर गढ़ी में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना अंतर्गत आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों को सामग्री वितरण कार्यक्रम का कन्यापूजन और दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरणपादुका पहनाकर, साड़ी और पानी की बॉटल प्रदान की गईं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने तेंदूपत्ता संग्राहकों तथा नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा तेन्दूपत्ता संग्राहक भाई-बहनों को, तेंदूपत्ता संग्रहण में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना शुरू की गई है। जिसके तहत तेंदूपत्ता संग्राहकों को को चरणपादुकाएं, साड़ियां, पानी की बॉटल, साड़ी प्रदाय की जा रही हैं। साथ ही छाता खरीदने के लिए तेंदूपत्ता संग्राहकों के बैंक खाते में पहले ही राशि जमा करा दी गई है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के नंगे पांव होने की वजह से उनके पैरों में कांटे चुभने एवं छाले पड़ने सहित अनेक परेशानियां होती हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की इन परेशानियों को दूर कर उनका जीवन सरल बनाने का काम मुख्यमंत्री चौहान द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, वन विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेवन मंडल रायसेन अंतर्गत कुल 39610 परिवार तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य करते हैं जिनके लिए शासन द्वारा निर्धारित कुल संग्रहको को 200 प्रति छाते के मान से रुपए संग्रहको के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को एक जोड़ी जूता, एक जोड़ी चप्पल, एक पानी की बोतल और परिवार की प्रत्येक महिला सदस्यों को साड़ी वितरित की जा रही है। जिला यूनियन रायसेन से 39610 पानी की बोतल, इतनी संख्या में जूते एवं चप्पल तथा 49950 साड़ियां वितरित की जाने का लक्ष्य है। इसके लिए सम्पूर्ण जिले में कार्यक्रम आयोजित कर तेन्दूपत्ता संग्राहकों को सामग्री वितरित की जा रही है।

एलबीएस कॉलेज में युवा उत्सव का हुआ समापन

गंजबासौदा, देशबन्धु। शासन के एलबीएस कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय युवा उत्सव का समापन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर किया गया। इस युवा उत्सव में अनेक प्रतिभा प्रतियोगिताएं शासन की समय सारणी के अनुसार संपन्न करायीं गई। छात्र-छात्राओं ने बड़े ही उत्साह से सभी प्रतियोगिताओं में मनोयोग से भाग लिया। 15 सितंबर को रंगोली और स्पॉट पेंटिंग की प्रतियोगिता कराई गई। रंगोली प्रतियोगिता की प्रभारी प्रो अदिति जैन ने प्रतिभागियों इशिका जैन एम ए प्रथम सेम, प्रथम स्थान पर, प्रांजल सोलंकी बीकॉम कंप्यूटर द्वितीय वर्ष द्वितीय स्थान पर, भावना सिंह दांगी तृतीय स्थान पर रही। दूसरी प्रतियोगिता स्पॉट पेंटिंग की आयोजित हुई। जिसकी प्रभारी प्रो अरोड़ा थीं इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अपेक्षा जैन बीए द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान पर किरण कुशवाहा बीए तृतीय वर्ष रहीं। 16 सितंबर को महाविद्यालय में एकल गायन, वादन, एकल एकांकी नृत्य और मूक अभिनय हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूनम ओझा, वंदना ओझा ने हाथों में जलते दीप के साथ सरस्वती वंदना की। कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए एकल एकांकी कृष्ण अर्जुन अभिनय की प्रस्तुति ध्रुव भदौरिया ने दी।

इस प्रस्तुति ने दर्शक दीर्घा का मनमोह लिया। एकल नृत्य में समीक्षा गौर, समीक्षा रघुवंशी, भूमिका भावसार, अभिषेक रघुवंशी, ने भरपूर तालियां बटोरीं। एकल गायन में मदीहा कुरेशी, आस्था, मयंक सोनी, हितेंद्र राजपूत श्रेष्ठ रहे। मूक अभिनय में हरियाली कुर्मी, जीत पटेल, शची जैन, करीम खान, दर्श चौरसिया, बबीता कुशवाहा, निर्मला जाटव, दीपक बघेल ने भाग लिया। जिसमें अबला नारी से नारी सशक्तिकरण को दर्शाया गया और गुनहगार को फांसी पर लटकाया गया। वहीं योगा टीम ने शानदार प्रस्तुति से योग करके निरोग रहने का संदेश दिया।

त्यौहारों को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

भेरुन्दा/नसरुल्लागंज, देशबन्धु। आगामी त्यौहारों को लेकर थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई है। जिसम गणेश उत्सव , डोल ग्यारस, ईद मिलादुन्नबी को लेकर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से एसडीएम एमएस रघुवंशी, एस.डी.ओ.पी. दीपक कपूर, तहसीलदार सौरभ शर्मा, थाना प्रभारी गिरीश दुबे, नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, नगर परिषद सीएमओ प्रफुल्ल गढरे, पार्षद एवं पार्षद प्रतिनिधि, जामा मस्जिद के सदर हाफिज मोहम्मद यूनुस ,जामा मस्जिद इमाम मौलाना मोहम्मद तल्हा खान, रिटायर शिक्षक सलीम सिद्दीकी, गणमान्य नागरिक ,पत्रकार मुख्य रूप से शामिल हुए। वही उपस्थित लोगों ने अपने-अपने सुझाव दिए। बिजली विभाग के अधिकारी ने कहा पंडाल के लिए बिजली कनेक्शन जरूर ले। वही मुस्लिम समाज के सदर द्वारा भी ईदमिलादुन्नबी के जूलूस को लेकर भी आवेदन दिया गया।

खेल ग्राउंड में घटिया निर्माण का आरोप, पार्षद ने खोला मोर्चा

गैरतगंज, देशबन्धु। नगर के वार्ड 12 गै़रतपुर क्षेत्र में बनाये जा रहे लगभग डेढ़ करोड़ लागत के खेल ग्राउंड के घटिया निर्माण का आरोप वार्ड पार्षद ने लगाया है। वार्ड पार्षद भगवान दास रजक ने इसकी शिकायत स्थानीय प्रशासन एवं कलेक्टर से भी की गई लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत में कहा गया है कि वार्ड 12 गै़रतपुर में 1 करोड़ 63 लाख की लागत से आउटडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य एजेंसी मेसर्स आरसी अग्रवाल द्वारा किया जा रहा है। वार्ड पार्षद रजक का आरोप है कि नगर की खेल प्रतिभाओं के लिए स्टेडियम की सौगात बड़ी बात थी पर इसके निर्माण में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से निर्माण की गुणवत्ता में घोर लापरवाही बरती जा रही है। स्टीमेट के विपरीत दोयम दर्जे के मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है वही कई स्थानों पर ठेकेदार मात्र औपचारिकता कर रहा है। उन्होंने बताया कि स्टेडियम की बाउंड्रीबॉल एवं भवन का कार्य जितना भी किया है वह भी अधूरा है। ठेकेदार की लापरवाही एवं अनियमितताओं की शिकायत स्थानीय प्रशासन को की थी तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी कई बार दर्ज कराई पर कोई कार्रवाई नही हुई। जिला कलेक्टर को भी लिखित दिया पर अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई। ठेकेदार एवं प्रशासन से निर्माण का स्टीमेट मांगा गया तो नही दिया गया। इस संबंध में नप सीएमओ एनके परसानिया से इस संबंध में बात की गयी तो उन्होने बताया कि एजेंसी इसके लिए जिम्मेदार है।

व्यावसायिक बैंक के निर्वाचन में विकास पैनल की धमाकेदार जीत

▶ उमा ने प्राप्त किए सर्वाधिक मत

मुरैना, देशबन्धु। रविवार को संपन्न हुए व्यवसायिक एवं औद्योगिक सहकारी बैंक मर्यादित मुरेना के निर्वाचन में विकास पैनल के सदस्यों ने जन विश्वास पैनल को करारी शिकस्त देते हुए धमाकेदार जीत हासिल की है। व्यवसायिक बैंक मुरैना के संचालक मंडल के निर्वाचन हेतु 17 सितम्बर को मतदान हुआ। जिसमें 11500 मतदाताओं में से 6084 ने अपने मतदान का उपयोग किया।

देर रात तक चली मतगणना में विकास पैनल की महिला वर्ग से श्रीमती उमा मनोज अग्रवाल (2991 मत), श्रीमती गीता अनिल गोयल अल्ली (2803 मत), सामान्य वर्ग से रघुनंदन सिंह कुशवाह (2560 मत), अतुल गुप्ता (2455 मत), नीरज अग्रवाल (2276 मत), अशोक गोयल (2264 मत), कमलेश बंसल (2121 मत), श्योपुर से प्रकाशचंद गर्ग (2698 मत), राजेंद्र मित्तल (2325 मत) ने धमाकेदार जीत दर्ज की। प्रतिद्वंदी जन विश्वास पैनल से मात्र तीन उम्मीदवारों पंकज गुप्ता (2446 मत), मुन्नालाल पटेल (2404 मत), आरक्षित वर्ग से गिर्राज अर्गल (2595 मत) ने विजय प्राप्त की है। निर्वाचन में दो पैनलों के माध्यम से संचालक मंडल के सदस्य बनने के लिए उम्मीदवार आमने सामने थे। प्रारंभ में ऐसा लग रहा था कि दोनों पैनलों में कड़ा मुकाबला होगा और दोनों पैनलों से 6 -6 सदस्य निर्वाचित होगें। लेकिन मतदान में विकास पैनल के 9 सदस्यों ने धमाकेदार जीत दर्ज कराते हुए जन विश्वास पैनल को करारी शिकस्त दी है। जन विश्वास पैनल से मात्र तीन उम्मीदवारों ने ही जीत दर्ज की है।

धाकड़ समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला गुजरात से गिरफ्तार

मुरैना, देशबन्धु। जिले की कैलारस थाना पुलिस ने धाकड़ समाज की बहन बेटियों के प्रति आपत्तिजनक एवं अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए फेसबुक आईडी पर कमेंट करने वाले आरोपी अशोक शर्मा को गुजरात से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि आरोपी गुजरात के कच्छ जिले में था और वहां से कहीं और भागने की फिराक में घूम रहा था। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली और वहां पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि पिछले तीन दिन पूर्व अशोक शर्मा द्वारा धाकड़ समाज की बहन बेटियों के विरुद्ध फेसबुक आईडी पर अभद्र भाषा का उपयोग किया गया था, जिस पर कैलारस थाने में आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी. सोनपाल सिंह तोमर, उनि.संतोष गौतम, उनि राममंत्र गुप्ता, प्रआर श्यामवीर सिंह, बृन्दावन अर्गल, दातार सिंह, आर. दीपेन्द्र सिंह, शिवकुमार, वीरपाल, राहुल अटेरिया, ब्रजराज, अरमान, राकेश कुशवाह, रोहित घनघोरिया, देवेन्द्र सिंह घुरैया, चालक साकिर खांन व सायबर सैल टीम की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध हथियार बनाते 4 बदमाश गिरफ्तार

▶ 5 बन्दूक, 6 देशी कट्टे, 3 पिस्टल, 7 जिन्दा राउन्ड, हथियार निर्माण सामग्री व बाइक की बरामद

मुरैना, देशबन्धु। जिले की नूराबाद थाना पुलिस ने बीती रात्रि खेरवाया सीतापुर तिराहे के पास जंगल में बनी तिवरिया से अवैध रूप से हथियारों की रिपेयरिंग करने वाले चार बदमाशों को हथियारों सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

आगामी विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा अवैध हथियार तस्करी एवं निर्माताओं, अवैध शराब-मादक पदार्थों की तस्करी, ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत निरीक्षक मलखान सिंह चौहान थाना प्रभारी नूराबाद को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम खेरवाया सीतापुर तिराहे के पास जंगल में बनी तिवरिया में कुछ लोग अवैध हथियारों का निर्माण करने की फैक्ट्री संचालित कर रहे है। उक्त सूचना के बाद थाना प्रभारी द्वारा दो टीम बनाई गई, जिसमें प्रथम टीम में उनि रूबी तोमर, थाना नूराबाद मय फोर्स एवं द्वितीय टीम में निरीक्षक मलखान सिंह चौहान थाना प्रभारी नूराबाद, उनि मनमोहन मय फोर्स के मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंच छिपकर देखा तो उक्त तिवरिया में कुछ लोग आपस में अवैध हथियार की मरम्मत व तस्करों की बातचीत कर रहे थे। 04 व्यक्ति एलईडी लाइट की रोशनी में अवैध हथियारों की मरम्मत करते दिखे, तभी पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों में मनोज जाटव निवासी मेहगांव, शिशुपाल निवासी ऊमरी जितेंद्र एवं इंदल सिंह निवासी मुरैना शामिल हैं। पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार 01 बन्दूक 12 बोर, 01 बन्दूक सिंगल सोट एयर रायफल 315 बोर, 01 हाथ से बनी टोपीदार बन्दूक, 05 देशी कट्टे 315 बोर, 01 देशी कट्टा 12 बोर, 03 पिस्टल 32 बोर, 04 जिन्दा राउण्ड 315 बोर, 01 जिन्दा राउण्ड 12 बोर, 02 जिन्दा राउण्ड 32 बोर मय अवैध हथियार निर्माण सामग्री एक लोहे का प्लास, हथोडी, ड्रिल मशीन, रेती दो डाई, दो पेचकस, एक रेती का आधा टुकड़ा, तीन छोटे-बड़े सुन्नी, एक फनर, 20 स्क्रू व तस्करी में प्रयुक्त वाहन बुलट मोटर साइकिल जप्त करते हुए मामला दर्ज किया है तथा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मलखान सिंह चौहान थाना प्रभारी नूराबाद, उनि रूबी तोमर, उनि मनमोहन सिंह प्र.आर. उदयवीर सिंह, मनोज, दीपक, उत्तम आरक्षक अशोक, रणधीर, हरेन्द्र, यासिर, सोनू, आशीष, दीनदयाल, अवकाश जाट, अभिषेक, भूपेन्द्र का सराहनीय योगदान रहा है।

पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बनाते 2 बदमाश गिरफ्तार

मुरैना, देशबन्धु। जिले की जौरा थाना पुलिस ने रविवार की रात थाने से लगभग 2 किलोमीटर दूर एमएस रोड स्थित मित्तल पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बना रहे चार बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। सोमवार की सुबह पुलिस ने सभी चार बदमाशों का नगर में जुलूस निकाला, ताकि अपराध करने वाले बदमाशों में पुलिस का खौफ बना रहे। पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में बदमाशों की धर पकड़ हेतु चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत नगर निरीक्षक आलोक सिंह परिहार को रविवार की देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि मित्तल पेट्रोल पंप को चार-पांच बदमाश लूटने की योजना बना रहे हैं। यहां पहुंची पुलिस को देखकर बदमाश मौके से भागने लगे, पुलिस टीम ने भाग रहे बदमाशों का पीछा करते हुए अलापुर नहर तीन फाटक के पास घेराबंदी करते हुए चार बदमाशों मन्नू उर्फ फली सिकरवार पुत्र कमल सिंह सिकरवार निवासी खिडोरा, शाहिद खान पुत्र अब्दुल खान निवासी जोरा, अशफाक खान पुत्र फिरोज खान निवासी खारा कुआं पुराना जोरा एवं सौरभ सिकरवार पुत्र कालिया सिकरवार निवासी खिडोरा को दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने तीन अवैध 315 बोर के देशी कट्टे एवं पांच जिंदा राउंड तथा एक बका बरामद किया है। इस दौरान बदमाशों का एक साथी दीपेश उर्फ कालिया पंडित निवासी जोनारा अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से भाग निकला।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

मुख्यमंत्री ने महिला औद्योगिक संस्थान की 2 छात्राओं को किया सम्मानित

बैतूल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन में शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बैतूल के 2 प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया गया है। प्राचार्य पंडाग्रे ने बताया कि इलेक्ट्रिशियन टेड्र की शिवानी निगम एवं ऑफिस असिस्टेंट कंप्यूटर ऑपरेटर टेड्र की अंकिता मसाने को अपने टेड्र में राज्य में प्रथम आने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पुरस्कृत किया गया। दोनों प्रशिक्षणार्थियों को संस्था प्राचार्य रेवाशंकर पंडाग्रे, टेड्र प्रशिक्षण अधिकारी सचिन सरले, भारती यादव, ड्राईंग प्रशिक्षण अधिकारी चिंतामणी विश्वकर्मा, एम्प्लायबिलिटि स्कील प्रशिक्षण अधिकारीरितिका ठाकुर, वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी दिलीप कुमार सोनी, श्रीमती पुष्पा बुनकर, श्रीमती विनिता पाटील सहित समस्त स्टाफ ने बधाई दी है।

अख्तर बने ब्लॉक अध्यक्ष

सारनी, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख अलीम के आदेश अनुसार सारनी ब्लॉक अध्यक्ष पद पर शेख अख्तर को मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, अखिल भारतीय कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शेख सलीम के आदेश अनुसार एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे, बैतूल विधायक निलय डागा, भैंसदेही विधायक धर्मूसिंह, घोड़ाडोंगरी विधायक ब्रह्मा बालवी तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहरी क्षेत्र सुनील शर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण क्षेत्र हेमंत वाग्द्रे की अनुशंसा पर शेख अख्तर को सारनी का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अख्तर की नियुक्ति पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष किशोर चौहान, मो.इलियास, टेश्वर भारती, नारायण खतरकर,पंचु खान,मुकेश साहू,फैयाज खान, मिलन सेराट, पंकज, मालवीय,रफ्फे बक्सा,भूषण कांति, गोविंद एरोलू,किरण झारबड़े आदि ने बधाई दी है।

जनता सरकार के खिलाफ आक्रोशित है : चौधरी

मंदसौर, देशबन्धु। 19 सितंबर से कांग्रेस की निकलने वाली जन आक्रोश यात्रा की तैयारी को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई जिसे कांग्रेस के विधायक कुणाल चौधरी और कुलदीप इंदौरा ने संबोधित किया। पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, पूर्व विधायक नव कृष्ण पाटिल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी महेंद्र सिंह गुर्जर प्रदेश युवक कांग्रेस के पदाधिकारी सोमिल नाहटा और संगठन मंत्री राजेश रघुवंशी भी उपस्थित थे। कुणाल चौधरी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि 19 सितंबर से मंदसौर जिले में हमारे नेता जीतू पटवारी के नेतृत्व में जन आक्रोश यात्रा निकलेगी। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह सरकार के खिलाफ पूरे प्रदेश की जनता आक्रोशित है। जनता कमलनाथ जी के नेतृत्व वाली उन 15 महीनों की कांग्रेस सरकार को आज भी याद रख रही है जिसमें बड़े-बड़े माफियाओं के खिलाफ ऑपरेशन माफिया अभियान चलाया गया। गुंडागर्दी दादागिरी पर कड़ा प्रहार किया गया हालात ऐसे निर्मित कर दिए गए कि अवैध कार्यों में लिप्त अपराधी खुद ही अपनी अवैध संपत्तियों को निर्माण को तोड़ने लग गए थे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मंदसौर जिले के दो मंत्रियों के संरक्षण में डोडाचूरा का कारोबार खूब फल फूल रहा है कांग्रेस सरकार को खरीद फरोख्त कर गिराने का षड्यंत्र ही इसीलिए किया ताकि माफियाओं को फिर से संरक्षण मिल सके जिन्हें कमलनाथ सरकार ने नेस्तनाबूत करना शुरू कर दिया था।

कुलदीप इंदौरा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में किसान, मजदूर ,युवा, आदिवासी दलित सभी पीड़ित है। पूरे प्रदेश में भाजपा की सरकार के खिलाफ जन आक्रोश बहुत व्यापक हो गया है जनता अब भाजपा को हटाकर कांग्रेस को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है पूरे प्रदेश में सात स्थानों से जन आक्रोश यात्रा निकाली जा रही है।

कलेक्टर ने खाद्य प्रसंस्करण प्रचार-रथ को दिखाई हरी झंडी

शिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने किया जाएगा प्रोत्साहित

बैतूल, देशबन्धु। खाद्य प्रसंस्करण में सूक्ष्म उद्योगों को संरक्षण एवं संवर्धन दिए जाने और जन-जन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सोमवार को कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ रवाना किया गया। बैंस ने बताया कि 18 से 22 सितंबर तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चलने वाले इस रथ के माध्यम से युवा शिक्षित, बेरोजगार एवं असंगठित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां संचालित करने वाले व्यवसायियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रोत्साहित किया जाएगा। कलेक्टर बैंस ने बताया कि प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना पर 35 प्रतिशत अनुदान अथवा अधिकतम 10 लाख रूपए का प्रावधान रखा गया है। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत पीएमएफएमई में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योगों के उन्नयन के लिए योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत ऐसे निजी एवं सूक्ष्म उद्यमी पात्र होंगे, जो 8वीं पास हो एवं उनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो। आवेदक के पास स्वयं का भू स्वामित्व का अधिकार होना चाहिए। एक परिवार से एक ही व्यक्ति इस योजना का लाभ ले सकेगा। प्रोपराईटर एवं पार्टनरशिप संस्थाएं इस योजना का लाभ ले सकेंगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत सभी प्रकार की प्रसंस्करण इकाईयों पर अनुदान दिया जाएगा। फल उत्पादन के क्षेत्र में फलों से संबंधित उत्पादों में आम का अचार, अमचुर, ज्यूस, अमरूद, जैली, जेम, आंवला, नींबू का अचार, मार्मलैंड पाउडर आदि शामिल किए गए है। इसी प्रकार सब्जी उत्पादों में टमाटर केचअप, ड्राय टोमेटो, मिर्च सॉस, ड्राय चिली पाउडर, करेला ज्यूस, आलू चिप्स आदि उत्पाद शामिल किए गए है। इसके अलावा मसालों में हल्दी, धनिया, मिर्च पाउडर, अदरक, सोंठ, लहसून पेस्ट आदि शामिल किए गए है। बैंस ने बताया कि अनाज उत्पादों को भी इसमें शामिल किया गया है। आटा मिल, दाल मिल, आटा चक्की, पोहा मिल, पंच राईस मिल, गीला मसाला, गीली दालें पीसने वाली चक्कियां, धान मिल आदि शामिल की गई है। इसके अलावा अन्य खाद्य उत्पादों में पापड़, पास्ता, नमकीन, कुरकुरे, टेस्टी, ब्रेड, टोस्ट, साबुदाना उद्योग, बरी,गुड़, तेल, मिल्क, पेठा रजक, मिल्क प्लांट, पनीर, घी उद्योग, ऐलोवेरा प्लांट, मुनगा पत्ती पाउडर, पीपरमेंट आदि शामिल है। आवेदकों के पास आधार कार्ड, पेन कार्ड, मार्कशीट, कोटेशन मशीनरी, इनकम टैक्स रिटर्न तीन साल का, यूनिट लोकेशन के दस्तावेज, बिजली का बिल, बैंक की पासबुक, यदि उद्योग पुराना हो तो तीन वर्ष की बैलेंससीट, उद्योग आधार का पंजीयन और प्रस्तावित यूनिट की जगह का फोटो तथा प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करनी होगी।

आज विराजेंगे श्रीगणेश, घरों और पंडालों में विशेष तैयारियां

सारनी, देशबन्धु। गणेश चतुर्थी के साथ ही दस दिवसीय गणेशोत्सव की मंगलवार को शुरुआत हो जाएगी। इसको लेकर घरों और सार्वजनिक स्थानों पर तैयारियां पूरी कर ली गई है। यहां विधि विधान के साथ गणेश प्रतिमओं को विराजित किया जाएगा। नगर पालिका परिषद सारनी के अंतर्गत बगडोना, शोभापुर, पाथाखेड़ा और सारनी के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष तैयारियां की गई हैं। बगडोना, शोभापुर के भारतीय स्टेट बैंक चौराहा, पाथाखेड़ा में अंबेडकर नगर और सारनी के जय स्तंभ चौक से लेकर शॉपिंग सेंटर तक अनेकों स्थान पर गणेश प्रतिमाओं की दुकानें सजी है। इसके अलावा बाहरी क्षेत्र के व्यापारियों के द्वारा भी गणेश प्रतिमाएं बिक्री के लिए भाजपा कार्यालय प्रांगण शॉपिंग सेंटर में लाई गई है।

उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था को ध्यान में रखकर एसडीओपी रोशन कुमार जैन, सारनी थाना प्रभारी अरविंद कुमरे द्वारा कई स्थानों पर पॉइंट लगाए गए है। इसके अलावा शांति समिति की बैठक लेकर सार्वजनिक गणेश प्रतिमा कितने स्थान पर स्थापित होगी इसकी सूची भी पुलिस के माध्यम से तैयार की जा रही है।

हरतालिका तीज: ताप्ती तट पर पहुंची बड़ी संख्या में महिलाएं

मुलताई, देशबन्धु। हरतालिका तीज पर गौर लाने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं ताप्ती तट पर पहुंची। जहा विधि विधान से पूजन अर्चन किया और भगवान शिव की स्थापना के लिए गौर (रेत) प्राप्त की। जिसका अगले दिन गणेश चतुर्थी पर ज्वारे के साथ जल में विसर्जन किया जाएगा। हरतालिका तीज पर सुबह से ही हजारों की संख्या में महिलाएं ज्वारा लेकर ताप्ती तट पहुंची। मां ताप्ती एवं भगवान शिव की पूजा अर्चना की और भगवान शिव से अपने परिवार के सुख समृद्धि की कामना कर सुहाग की सलामती मांगी।

भोलेनाथ की पूजा कर पति की लंबी आयु की करती है कामना: हरतालिका तीज के संबंध में पंडित गणेश शंकर त्रिवेदी बताते हैं कि इस दिन महिलाएं सरोवर या नदियों पर जाकर गौर के रूप में रेत घर लाती है, जिससे प्रतीक के रूप में भगवान शिव की स्थापना की जाती है। इसके उपरांत रात में भगवान शिव का पूजन होता है। हरतालिका की कथा का महिलाएं श्रवण करती है। इसके उपरांत गणेश चतुर्थी पर महिलाएं फिर ज्वारे का विसर्जन करती है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है।

मूलतापी जिला बनाओ आंदोलन: आमरण अनशन का चौथा दिन

ट्रक एसोसिएशन, स्वर्णकार, सिक्ख समाज ने दिया समर्थन

▶ कृमिक भूख हड़ताल कर रहे बुजुर्ग की बिगड़ी तबीयत

मुलताई, देशबन्धु। मुलतापी जिला बनाओ आंदोलन शुरू हुए 18 दिन हो गए हैं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के मोहन सिंह परिहार को आमरण अनशन प्रारंभ किए चौथा दिन है। मोहन सिंह की गिनती नगर के उन चंद लोगों में होती है जिन्होंने नगर की समस्याओं के लिए हमेशा ही संघर्ष किया। चाहे कॉलेज आंदोलन की बात हो या ट्रेन स्टापेज या फिर स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाओं के लिए आंदोलन उनकी भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। अपने आमरण अनशन के चौथे दिन मोहन सिंह ने पत्रकारों से कहा कि भूख हड़ताल तब तक जारी रहेगी, जब तक की मुलताई जिला नहीं बन जाता या मुख्यमंत्री कोई ठोस जवाब नहीं देते। मोहन सिंह परिहार कहते हैं कि हमने सन 1971-72 में जिला बनाने के लिए पहले आवेदन दिया था। इसके बाद निरंतर लोगों ने अपने-अपने माध्यम से जिला बनाने के लिए आंदोलन किया किंतु वह आंदोलन थोड़ी सी दूर चलकर रुक गए, मगर यह जो आंदोलन है इसने धीरे-धीरे उन आंदोलनों को समेटते हुए गति प्राप्त कर ली है। इसीलिए बच्चों ने यह नारा दिया है कि अभी नहीं तो कभी नहीं। मैं युवाओं के इस विचार को पूरा करना चाहता हूं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को चलाने वाले वह लोग हैं जो मुलताई को जिला बनना चाहते हैं और उनकी संख्या बहुत ज्यादा है। इस आंदोलन में महिलाए भी बड़ी संख्या में सामने आ रही है। सभी की यह सोच है की जाति, धर्म ,भाषा से हटकर हमारे क्षेत्र की उन्नति कैसे हो हमने तो दिन गुजार लिए, हमारे आने वाली पीढ़ी को शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार के अवसर कैसे उपलब्ध हो सके।

मुलतापी को जिला बनाओ आंदोलन के 18 वे दिन मां ताप्ती ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन शिवहरे ,सचिव राकेश बावाजी, उपाध्यक्ष जेडी पाटिल ,प्रहलाद ठाकुर ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौप कर जिला बनाने की मांग की, तो वही मां ताप्ती स्वर्णकार समाज कल्याण समिति एवम् सिक्ख समाज ने मुलतापी को जिला बनाओ आंदोलन समिति के समर्थन में अपना समर्थन पत्र आमरण अनशन कर रहे मोहन सिंह परिहार को सौप आंदोलन को हर तरह से सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही मोहन सिंह परिहार के स्वस्थ रहने की कामना की। मंच पर पहुंचने वाले स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधियों में कमल सोनी, दीनाराम सोनी, कन्हैया सोनी, आशीष सोनी ,कमल सोनी, फूलचंद सोनी शामिल थे।

जिला बनाओ आंदोलन के समर्थन में नगर वासियों द्वारा सोमवार दूसरे दिन श्रमिक भूख हड़ताल जारी रही जिसमें सुरेश गोस्वामी, धनराज पवार, पुली धोपाड़े, राजेश तायवाडे एवं श्यामराव जाधव दिनभर हड़ताल पर बैठे रहे। जिसमें से 72 वर्षीय श्यामराव जाधव की अचानक दोपहर में तबियत बिगड़ गई, जिसके चलते उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका ब्लड प्रेशर 172/98 और शुगर 220 बताई गई, डॉक्टर द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ।

आमला को जिला बनाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

आमला, देशबन्धु। मुलताई को जिला बनाने एवं उसे जिला बनाकर आमला को शामिल करने की खबर से आमला के नागरिक सहमत नजर नहीं आ रहे है। वही नगर के जागरूक युवाओं ने आमला को जिला बनाने की मांग कर दी है। इसको लेकर युवाओं द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि आमला केंद्र में स्थित है और इसके आस-पास का क्षेत्र आबादी एवं जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक है। बड़े पैमाने में कृषि भी की जाती है इसके साथ आमला में रेलवे जंक्शन, एयरफोर्स स्टेशन हैं वही आमला के चारों तरफ के गांव करीब 1000 की संख्या में हैं। जिससे आसानी से यह 3 से 4 तहसील बनाई जा सकती है। आमला अब अनुविभाग घोषित हो गया है। इसी प्रकार आमला को जिला बनाया जाता हैं तो निश्चित ही एक अच्छा और विकसित जिले के रूप में जाना जाएगा। ज्ञापन सौंपते समय नपा अध्यक्ष नितिन गाडरे, दादा ठाकुर, संजय साहू,छन्नू बेले,बिल्लू यादव, विजय पारधी,नासिर खान सहित कांग्रेसी उपस्थित थे।

छोटा महादेव भोपाली के विश्वकर्मा मंदिर में हुआ कार्यक्रम

सारनी, देशबन्धु। छोटा महादेव भोपाली में लोहार समाज के तत्वाधान में विश्वकमा के मंदिर के परिसर में विश्वकर्मा जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई,इस दौरान लोहार समिति के अध्यक्ष सुखनंदन मांजरीवाल,सचिव रवि नगपुरे ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी छोटा महादेव भोपाली में विश्वकर्मा मंदिर परिसर में समाज के स्वजातीय बंधुओं द्वारा भगवान विश्वकर्मा की जयंती का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया जिसमें समाज की महिलाएं युवा वर्ग व बच्चे बुजुर्ग भी शामिल हुए जिन्होंने मंदिर परिसर में हवन पूजन भजन कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें समाज सहित अन्य समाज के लोगों ने प्रसादी ग्रहण किया इसके पश्चात मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है।

अच्छी छवि और जीतने की क्षमता वाले कार्यकर्ता को ही उम्मीदवार बनाया जाएगा : सबनानी

मंदसौर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह है पिछले 20 सालों में प्रदेश में भाजपा की सरकार है 15 माह के अपवाद को छोड़ कर और आम जनों के लिए सरकार ने हर वह दायित्व निभाया जिनकी अपेक्षा जनता ने सरकार से की थी। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी ने जिला भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में कही। भाजपा की विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन स्तर पर पूरी तैयारी है।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि चुनाव में लोकप्रिय, जनप्रिय, अच्छी छवि और जीतने की क्षमता रखने वाले कार्यकर्ता को ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि भाजपा के कुछ बड़े नाम कांग्रेस में शामिल हुए हैं जवाब में उन्होंने कहा कि चुनाव की राजनीति के समय दल बदल की स्थिति बनती है। जिन्हें कई बार मौके देने के बाद जब किसी नए व्यक्ति को मौका दिया जाता है तो ऐसे बदलाव से असंतुष्ट होकर केवल चुनाव की ही राजनीति करने वाले दल छोड़ देते हैं। जनता भी सब जानती है चुनाव के पहले इस तरह की दल बदली होती है इससे भाजपा को कहीं कोई फर्क नहीं पड़ता। एक और सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा 150 से अधिक सीटों पर चुनाव जीतेगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'सेवा पखवाड़ा' 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक प्रदेश के समस्त जिलों में मनाया जा रहा है। जिनके अंतर्गत 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शनी लगायी जायेगी, 17 से 24 सितम्बर के मध्य 'आयुष्मान भवः' सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के अभियान सम्पन्न किये जा रहे हैं, आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक कार्ड बने एवं उनका वितरण कर गरीब कल्याण के मार्ग को और अधिक प्रशस्त किया जा रहा है। प्रत्येक जिले में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे है। 25 सितम्बर को हम सभी के प्रेरणा केन्द्र पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती है, यह हमारें बूथ के 6 कार्यक्रमों में से एक है, इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं प्रत्येक बूथ पर उनके चित्र पर पुष्पांजली अर्पित की जायेगी, एवं उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं विचारों पर विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे है। 26 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक प्रदेश के समस्त 65000 से अधिक बूथो पर बूथ सशक्तिकरण अभियान के द्वितीय चरण का व्यापक रूप से क्रियान्वयन किया जायेगा। पत्रकार वार्ता में जिला प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया महा मंत्री गणपत आंजना और मीडिया प्रभारी नीलेश जैन भी मौजूद थे।

सीएमओ ने अतिक्रमण करने वालों को हाथ जोड़कर दी समझाईश

नपाध्यक्ष ने खड़े रहकर भरवाए शनि तालाब तट के गड्ढे

मुलताई, देशबन्धु। नगर के ताप्ती परिक्रमा मार्ग में अतिक्रमण बड़ी समस्या बनते जा रहा है और स्थिति यह है कि किसी भी धार्मिक पर्व पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और विशेष तौर से महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। परिक्रमा क्षेत्र की पक्की दुकान संचालकों ने भी दुकान के अंदर से अधिक दुकान बाहर लगाकर रखी है। सोमवार जब इसकी शिकायत जब नगर पालिका को मिली तो नगर पालिका सीएमओ ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों से हाथ जोड़कर निवेदन किया कि वह अपनी दुकानों को अंदर कर ले।

दुकानों के बाहर लगाए जाने से अव्यवस्था हो रही थी और महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिसकी सूचना नगर पालिका को मिलने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार, उपाध्यक्ष शिवकुमार माहोरे, सभापति निर्मला उबनारे, सुरेश पौनीकर, सीएमओ आरके इवनाती, कांग्रेस नेता किशोर सिंह परिहार, शेख ज़किर , प्रह्लाद सिंह परमार, गुलशन शेलकरी आदि मौके पर पहुंचे और उन्होंने व्यवस्था बनवाई।

नपा अध्यक्ष ने कहा की गरीबों को हटाया ना जाए, उन्हें डोम के लिए लगे पिल्लरो के बाहर अपनी दुकान छोटे रूप में लगाने के लिए कहा गया। ताप्ती तट पर निरीक्षण करने जा रही नगरपालिका अध्यक्ष नीतू परमार को शनि तालाब के पास कच्ची सड़क पर गड्ढे होने से श्रद्धालुओं को ताप्ती तट पहुचने में परेशानी दिखाई दी। जिसे देखते हुए अध्यीश श्रीमती परमार ने तुरंत सीएमओ को गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए एवं मौके पर खड़े रहकर बजरी डालकर गड्ढे भरवाए गए।

सार समाचार

रोजगार मेले का आयोजन

नर्मदापुरम देशबन्धु। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय द्वारा रोजगार मेले का आयोजन 20 सितम्बर 2023 को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाना है। मेले में वर्धमान बुधनी, ट्राइडेंट बुधनी, नाहर मंडीदीप, आईआईएएचएम, वक्रतुण्ड, नवकिसान बायोटेक, एलआईसी, ट्रइलॉजिक, आईसेक्ट एमआईसी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक, श्रीराम माइक्रोफाइनेंस कंपनी, वेलस्पन जिज्ञासा ररबन, केप्स्टन सर्विस लिमिटेड, पुखराज, बजाज लाइफ इंश्योरेंस आदि कंपनियों में विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। मेले में सम्मिलित होने के लिए 18 से 30 साल के इच्छुक आवेदक लिंक पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

जिला लोकल लेवल कमेटी की बैठक कल

नर्मदापुरम देशबन्धु। जिला लोकल लेवल कमेटी की बैठक का आयोजन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में 20 सितम्बर 2023 को अपरान्ह 4.30 बजे से रेवा सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उप संचालक सामाजिक न्याय नर्मदापुरम ने सर्वसंबंधितो से अनुरोध किया है कि वे अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें।

मतदाता सूची का 4 अक्टूबर को अंतिम प्रकाशन किया जाएगा

नर्मदापुरम देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ आज ऑनलाइन बैठक की और विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान श्री राजन ने कहा कि 4 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद से मतदाता सूची में किसी भी मृत या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता का नाम नहीं होना चाहिए। यदि किसी बीएलओ की मतदाता सूची में मृत और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता पाए जाते हैं तो संबंधित बीएलओ, ईआरओ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जो?ने, हटाने और संशोधन के लिए प्राप्त हुए आवेदनों का समय सीमा के अंदर निराकरण करने के निर्देश दिए। मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अंतर्गत 2 अगस्त से 11 सितंबर तक मतदाता सूची में नाम जो?ने, हटाने और संशोधन के लिए ऑनलाइन, ऑफलाइन के माध्यम से आवेदन प्राप्त हुए। जिसका समय सीमा के अंदर निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। 4 अक्टूबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का वाचन किया जाएगा। इस दौरान सेक्टर अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाएगी।

जिले की तीन तहसीलों में अब भी बीते वर्ष से आधी वर्षा

इटारसी देशबन्धु। इस मानसून सीजन में बारिश के दो अच्छे दौर आये। बावजूद इसके पूरे जिले में पिछले वर्ष के मुकाबले कम वर्षा ही हुई है। कुछ तहसीलें तो ऐसी हैं जहां पिछले वर्ष के मुकाबले अभी आधी वर्षा ही हुई है।

एक नजर इन तहसीलों पर:-सिवनी मालवा में गत वर्ष 1643 मिमी के मुकाबले अब तक 838 मिमी वर्षा हुई है। इसी तरह से इटारसी में 1688.8 के मुकाबले 856.6 मिमी और डोलरिया में पिछले वर्ष 1595 मिमी के मुकाबले अब तक सिर्फ 702.4 मिमी वर्षा ही हुई है। हालांकि अभी मानसून का सीजन शेष है, लेकिन पिछले वर्ष जैसी वर्षा होगी, इसकी संभावना कम ही दिखाई दे रही है।

जहां गत वर्ष 50 से अधिक वर्षा:-नर्मदापुरम में बीते वर्ष 1604.4 मिमी, इस वर्ष 1263.9 मिमी, माखननगर बीते वर्ष 1466, इस वर्ष 920, सोहागपुर गत वर्ष 1670.2, इस वर्ष 1060.4, पिपरिया गत वर्ष 1737.2, इस वर्ष 1370.8, बनखेड़ी, गत वर्ष 1333.1, इस वर्ष अब तक 1152, पचमढ़ी पिछले वर्ष 2314.1, इस वर्ष अब तक 1730.8 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। जिले की वर्षा की बात करें तो बीते वर्ष कुल 1672.4 मिमी वर्षा हुई थी, और इस वर्ष अब तक 1099.4 मिमी वर्षा हो चुकी है। जिले की औसत वर्षा 1370.5 मिमी है।

कायाकल्प: शासकीय अस्पताल कैम्पस में लगे पेवर ब्लॉक

पानी भरने और कीचड़ की समस्या से मिलेगी निजात

- डॉ.एसपीएम अस्पताल में विधायक करा रहे विकास कार्य
- बच्चों की गहन चिकित्सा इकाई भवन जल्द बनाने के निर्देश

इटारसी देशबनधु। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय अस्पताल परिसर में मुख्य द्वार के पास अब न पानी भरेगा और ना ही कीचड़ होगी। पिछले दिनों इस तरह की समस्या सामने आने पर विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने तत्काल विधायक निधि से दो लाख रुपए स्वीकृत किये और उनकी अध्यक्षता में हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक में भी दो लाख की स्वीकृति हुई। अब इस राशि से यहां 5500 स्क्वेयर फीट में पेवर ब्लॉक लगाना शुरु हो गया है और 90 प्रतिशत काम भी पूरा हो गया है। इसी के साथ बच्चों के लिए बन रही गहन चिकित्सा इकाई का काम भी 10 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश ठेकेदार को दिये गये हैं। विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा के विकासवादी विचार का परिणाम है कि अस्पताल में अनेक कार्य हो रहे हैं। न सिर्फ यहां डॉक्टर्स की पोस्टिंग हुईं बल्कि मरीजों के हितार्थ भी काम हो रहे हैं। पिछले दिनों बारिश में अस्पताल कैम्पस में मुख्यद्वार के सामने पानी भरने की जानकारी मिलने पर विधायक ने यहां पेवर ब्लॉक के लिए राशि की मंजूरी दी और काम लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो गया है।

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने अस्पताल प्रबंधन से भी कहा है कि यहां डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से बन रही 20 वार्ड वाली बच्चों की गहन चिकित्सा इकाई के भवन का काम 10 अक्टूबर 2023 तक पूर्ण करायें। ठेकेदार को भी निर्देश हैं कि वह इस तिथि में काम अवश्य पूर्ण कर दे। पेवर ब्लॉक का काम भी सात दिन में पूर्ण करने के निर्देश हैं।

इनका कहना है

अस्पताल में पिछले वर्षों में अनेक काम हुए हैं, डॉक्टर्स की पोस्टिंग हुई हैं, भवन बने हैं। बच्चों के लिए गहन चिकित्सा इकाई का काम प्रगति पर है, बारिश में कैम्पस में पानी भरने की जानकारी मिलने पर हमने यहां पेवर ब्लॉक लगाने राशि उपलब्ध करायी है, काम भी लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। दोनों काम जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश संबंधितों को दिये हैं।

डॉ.सीतासरन शर्मा, विधायक

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करें : कलेक्टर

नर्मदापुरम देशबन्धु। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को समयसीमा की बैठक में सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अतिवर्षा के कारण आंशिक और पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए मकानों के प्रकरण तैयार कर प्रभावितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी,एनएच, पीएमजीएसवाई को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल पुलियों की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

बताया गया कि विगत दिनों हुई भारी वर्षा के कारण किसी प्रकार का गंभीर नुकसान नहीं हुआ हैं। बैठक में कलेक्टर ने मतदाता सूची के आवेदनों के निराकरण की भी विधानसभावार समीक्षा की। उन्होंने 11 सितंबर तक प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि मृत और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम हटाने के प्राप्त आवेदनों का भी शत प्रतिशत निराकरण कराएं। ताकि शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो सके। उन्होंने मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों का भी प्रभावी ढंग से आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की गैस कनेक्शनधारी महिलाओं को 450 रूपये में गैस सिलेंडर प्रदाय योजना में पंजीयन की जनपदवार समीक्षा की। उन्होंने कैंप लगाकर हितग्राहियों के पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना की भी समीक्षा कर पात्र महिलाओं के पंजीयन किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अब ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम 21 सितंबर को किया जाएगा। जिले के प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम के सजीव प्रसारण की व्यवस्था की जाए।

उन्होंने निर्माण विभाग अंतर्गत विभिन्न प्रगतिरत एवं अप्रारंभ विकास कार्यों की समीक्षा कर अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्यार्थियों के आधार और समग्र आईडी बनाएं जाए। ताकि बच्चों की एजुकेशन पोर्टल पर एंट्री की जा सकें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का भी निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर द्यने धारणाधिकार योजना और मुख्यमंत्री भू अधिकार आवास योजना की भी समीक्षा कर प्राप्त आवेदनों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए।

पिपरिया जिला बनाओ अभियान का पचमढ़ी में आगाज़

पचमढ़ी देशबंधु। पिपरिया जिला बनाओ अभियान के अंतर्गत पचमढ़ी में भी माननीय महामहिम राजपाल जी के नाम ज्ञापन बनाकर उसमें पचमढ़ी जनसाधारण के हस्ताक्षर उनकी संपूर्ण सहमति से करवा कर तहसीलदार महोदय श्री सुनील दुबे जी को माननीय महा महिमा राजपालजी मध्य प्रदेश शासन तक पहुंचाने के लिए सौंप गया? इस अभियान में पचमढ़ी के समस्त नागरिको के साथ समाजसेवियों एवं जननायकों का भरपूर सहयोग रहा जिसमें पचमढ़ी समाज सेवी एवं पार्षद गोपाल काबरा समाजसेवी संजय कोरी संदीप गुप्ता सुनील शुक्ला अलकेश जैन संतोष भुसेल पत्रकार सुरेंद्र वान मुकेश वान एवं पिपरिया जिला बनाओ संघर्ष समिति से पिपरिया के सुजीत पटवा सचिन शर्मा हरीश गोस्वामी एवं मनोज नगोत्र? पिपरिया से आकर इस अभियान में अपना सहयोग प्रदान किया उन्होंने बताया की मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इस विषय पर विचार कर जल्द से जल्द सुनवाई की जाएं।

श्रीमती ज्योति शर्मा बनीं सर्व ब्राह्मण महिला सभा की नगर अध्यक्ष

इटारसी देशबन्धु। नगर सर्व ब्राह्मण महिला सभा की बैठक में संरक्षक मंडल एवं पूर्व अध्यक्षों, वर्तमान अध्यक्ष की सहमति से श्रीमती ज्योति शर्मा को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। श्रीमती शर्मा को अध्यक्ष बनाए जाने पर महिला सभा की सदस्यों ने उन्हें बधाई प्रेषित करते हुए संगठन को अधिक शक्तिशाली बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर श्रीमती ज्योति शर्मा ने कहा कि संगठन के वरिष्ठ जनों एवं संगठन के सदस्यों में जो विश्वास मुझ पर व्यक्त किया है मैं उस कसौटी पर खरी उतरने का प्रयास करूंगी। श्रीमती शर्मा ने कहा कि आप सबके सहयोग से संगठन की गतिविधियों को और सक्रिय बनाया जाएगा। संगठन के प्रत्येक सदस्य का सहयोग समाज को मिले इस बात का भी भरसक प्रयास किया जाएगा।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में युवा उत्सव के समापन पर हुई नृत्य प्रतियोगिताएं

इटारसी देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी की छात्राओं ने युवा उत्सव के अंतर्गत लावणी नृत्य, घूमर नृत्य, कुचिपूड़ी नृत्य आदिवासी नृत्य, पंजाबी नृत्य तथा लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आरएस मेहरा ने कहा कि नृत्य मानवीय अभिव्यक्तियों का एक रसमय प्रदर्शन है। लोक नृत्य मानव मन को आनंदित करके जीवन में उमंग की लहर चलाते हैं। युवा उत्सव प्रभारी श्रीमती पूनम साहू ने कहा कि युवा उत्सव के माध्यम से छात्राएं विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में भाग ले रही हैं। छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए महाविद्यालय एक उचित मंच उपलब्ध करा रहा है। संचालक डॉ. शिरीष परसाई ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं धर्म के इतिहास में कई ऐसे प्रमाण मिलते हैं, जिससे सफल कलाओं में नृत्य कला की श्रेष्ठता सर्वमान्य प्रतीत होती है। महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. नेहा सिकरवार, प्रिया कलोसिया तथा करिश्मा कश्यप के निर्देशन में आयोजित एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेया आरबी, द्वितीय स्थान शिवानी यादव तथा तृतीय स्थान हेमा पटेल को प्राप्त हुआ। समूह नृत्य में प्रथम स्थान काशिफा ग्रुप, द्वितीय स्थान श्रेया ग्रुप तथा तृतीय स्थान हेमा ग्रुप को प्राप्त हुआ। आभार प्रदर्शन डॉ. श्रद्धा जैन ने किया। इस अवसर श्रीमती मंजरी अवस्थी, आनंद पारोचे, श्रीमती पूनम साहू, डॉ. हर्षा शर्मा, स्नेहांशु सिंह, डॉ. संजय आर्य, रविंद्र चौरसिया, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ शिखा गुप्ता, डॉ श्रद्धा जैन, हेमंत गोहिया, प्रिया कलोसिया, श्रीमती शोभा मीना, करिश्मा कश्यप, एनआर मालवीय, राजेंद्र कुशवाहा तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

वरिष्ठ नागरिक मंच 21 को करेगा छात्र सहायता निधि का वितरण

इटारसी देशबन्धु। वरिष्ठ नागरिक मंच इटारसी की मासिक बैठक का आयोजन गोठी धर्मशाला में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंच अध्यक्ष मदन सिंग राजपूत ने की एवं संचालन प्रवक्ता राजकुमार दुबे ने किया। बैठक में सर्व सहमति से जनहित के अनेक निर्णय पारित किए गए। मंच प्रवक्ता दुबे ने बताया कि बैठक में मंच के वरिष्ठ सदस्य एनपी चिमानिया के 75 में जन्म दिवस को अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मनाकर, शाल श्रीफल वा उपहार सामग्री भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंच के गोविंद प्रसाद दीक्षित चंद्रप्रभा ठाकुर टीआर चौलकर का भी जन्म दिवस मनाकर उपहार सामग्री भेंट की गई। बैठक में शहर की सरकारी शालाओं से वर्ष 2023 में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा उच्च अंकों से उत्तीर्ण होने वाले बीपीएल आय वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को वितरित की जाने वाली छात्र सहायता निधि छात्रवृत्ति राशि 21 सितंबर को वितरित किए जाने का निर्णय लिया। शहर में आवारा घूम रहे जानवरों पर कार्रवाई करने के लिए नगर पालिका को ज्ञापन देने पर सहमति बनी। शहर में अकेले रह रहे वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए नगर पालिका सूची बनाये के लिए ज्ञापन देने पर सहमति बनी। वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल किराये में रियायत की सुविधा पुनः आरंभ हो के लिए रेल मंत्री को ज्ञापन देने पर सहमति बनी।

मंच सदस्य डॉ के एस उपल्ल ने 15 हजार एवं एनपी चिमानिया ने 10 दस हजार रूपए की राशि मंच कोष में दान दी। बैठक के अंत में मंच सदस्य जेपी अग्रवाल की बड़ी बहन आशा लता अग्रवाल के निधन पर शोक व्यक्त कर, मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में सुश्री चन्द्रप्रभा ठाकुर,मोहन भाई पटेल,उषा चिमानिया, आशा अग्रवाल, एनआर अग्रवाल, सूरत सिंग सोलंकी, घनश्याम दास मित्तल, अशोक सक्सेना, गोविंद दीक्षित, डॉ विनोद कुमार सीरिया, डॉ केएस उपल्ल, डॉ ज्ञानेंद्र पांडे, विजय मंडलोई, सुरेंद्र सिंग तोमर, सुरेश रघुवंशी, सुशील कुमार शर्मा, शिव प्रकाश चौबे, सुधीर गोठी, सुनील बाजपेई आदि की उपस्थिति रही।

सोपास संगठन ने ज्ञापन देकर शासन को भेजी अपनी मांगें

निजी स्कूलों के बच्चों से भेदभाव के विरोध में बंद रहे स्कूल

नर्मदापुरम/इटारसी देशबन्धु। अशासकीय विद्यालय के बच्चों को स्कूटी वितरण की जा रही है साथ ही साथ अध्यनरत विद्यार्थियों को नीट और इंजीनियरिंग की परीक्षा के दौरान 5 प्रतिशत अधिक अंक दिए जाने का भी बात कही है, जो एक भेदभावपूर्ण रवैया है। सोपास के कार्यकारी जिला अध्यक्ष आलोक राजपूत ने बताया कि मध्य प्रदेश के निजी स्कूलों के विभिन्न संगठनों के बैनर तले संयुक्त मोर्चा द्वारा स्कूलों की विभिन्न 9 सूत्री मांगों को लेकर 18 सितंबर 2023 विद्यालय बंद का आह्वान पूर्णतः सफल रहा जिसका पूर्ण समर्थन जिला सोपास संगठन नर्मदापुरम ने किया है। सोपास के जिला कार्यकारी अध्यक्ष आलोक राजपूत ने बताया कि हमारी जो 9 मांगे हैं उनका ज्ञापन शासन को प्रेषित कर दिया है। बंद के दौरान आज दोपहर 1 बजे नर्मदापुरम सोपास संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम आशीष पांडे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें प्रदेश संगठन मंत्री रविशंकर राजपूत, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिव भारद्वाज, जिला अध्यक्ष राजेश दुबे, जिला कार्यकारी अध्यक्ष आलोक राजपूत, देवी सिंह राजपूत, रिजवान हैदर, आलोक गिरोटिया, हरगोविंद शुक्ला, जिला कार्यकारिणी सदस्य जाफर सिद्दीकी, सोपास ब्लॉक इटारसी अध्यक्ष नीलेश जैन, सचिव लोकेन्द्र साहू, कोषाध्यक्ष प्रशांत चौबे, प्रदीप जैन, मुकेश सोना, असफक अली, चरण राठौर, घनश्याम साहू, मोहनलाल गौर, विजय सेठ, प्रकाश चौरे, राहुल जोसी अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इससे पूर्व आज संपूर्ण जिले में सोपास संगठन ने ब्लाक स्तर पर संयुक्त मोर्चा के इस बंद को समर्थन देते हुये प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

फोटो...18 आईटी 3

हरतालिका तीज की पूजा प्रारंभ आज बिराजेंगे गणेश

इटारसी देशबन्धु। शहर में जगह-जगह सोमवार को हरतालिका तीज का व्रत प्रारंभ हुआ। रविवार की रात्रि में महिलाओं एवं युवतियों ने खीरा खाकर उपवास प्रारंभ किया। सायंकाल कर्मकांडी ब्राह्मणों के द्वारा हरतालिका तीज की पूजा एवं कथा कराई। प्रथम पूजनीय भगवान गणेश को घर-घर विराजित करने के एक दिन पहले 18 सितंबर को उनके पिता शिव और माता गौरी का पूजन अखंड सौभाग्य के लिए सुहागिन महिलाएं कर रही हैं। हरतालिका तीज पर मनभावन वर के लिए कुंवारी कन्याएं और विवाहिताएं निर्जला व्रत रखकर रेत से बनी शिव-पार्वती की अस्थायी मूर्तियों का पूजन कर सुखी दांपत्य जीवन की कामना करेगी। इस अवसर पर शहर में रतजगा के कई आयोजन चल रहे हैं। कई मंदिरों में फुलेरा बांधे हैं तो कुछ घरों में भी फुलेरा बांधकर महिलाएं सामूहिक पूजा-पाठ कर रही हैं। आज उत्सवी माहौल में रातभर मंदिरों में दर्शन-पूजन का सिलसिला चलेगा। पूरी रात महिला जागरण होगा। भगवान शंकर के भजन किए जाएंगे एवं पांच समय सुबह-सुबह तक अलग-अलग आरती होगी। बड़ी संख्या में सुहागिन महिलायें एवं युवतियां रेत से बने भगवान शंकर की पूजा कर रही हैं। भगवान शंकर के ऊपर आकर्षक फूलों से बनाए गए फुलेरे टांगे गए हैं। हरतालिका तीज होने के कारण आज इटारसी के बाजार में भी भारी भीड़ रही।

भाजपा की बैठक: जन आशीर्वाद यात्रा और कार्यकर्ता महाकुंभ के लिए बनी कार्ययोजना

इटारसी देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी मंडल पुरानी इटारसी मंडल की बैठक श्रीराम मंदिर के सामने ओवर ब्रिज के नीचे सामुदायिक भवन में आयोजित हुई। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के संबंध में कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर मप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी आशुतोष शरण तिवारी, जिला मंत्री उमेश पटेल, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, नगरपालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, महामंत्री गोविंद मेहतो सहित अन्य मौजूद थे। बैठक में आगामी कार्यक्रम 20 सितंबर को जन आशीर्वाद यात्रा, 25 सितंबर भोपाल में कार्यकर्ता महाकुंभ, बूथ स्तर के कार्यों को लेकर, एमपी के मन में मोदी सदस्यता अभियान,बूथ स्तर के कार्यों साथ

ही शक्ति केंद्र की कार्यशाला सम्मेलन को लेकर कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में सर्वप्रथम भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर बैठक प्रारंभ की गई। संचालन मंडल महामंत्री गोविंद मेहतो ने किया और आभार मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका बसंत चौहान ने किया। भाजपा मंडल बैठक में अपेक्षित श्रेणी के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहें जिसमेंमंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मी गालर, सरोज उईके, मंडल मंत्री प्रशांत मनवारे, राधा मैना, महाजनसंपर्क अभियान प्रभारी डॉ पंकज पहाड़िया, महिला मोर्चा अध्यक्ष बबिता चौहान, किसान मोर्चा विजय चौरे, अल्पसंख्यक मोर्चा नफीज सिद्धीकी, युवा मोर्चा सौरभ चौधरी, महिला जिला मंत्री ममता मालवीय, किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी देवेंद्र परिहार, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला मंत्री विनोद लोंगरे, ममता सोनी, संध्या चौहान, रौनक मालवीय, वर्षा कुलकर्णी, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश सचान, सुनील पांडे, लीलाधर नामदेव, रामजीवन वर्मा, राजू बैस, महेश भाटिया, अरविंद बुडाना, मुन्ना लाल मेहतो, रमेश धूरिया, राजकुमार बावरिया, दिनेश श्रीवास, जमना प्रसाद मेहतो, मेहरबान चौहान, अनवर अली, अमर सिंह राजपूत, ब्रजमोहन चौधरी, रामदुलारे बोरासी, रविंद्र भावसार, दिनेश पौनीकर, आकाश यादव, रूपेश शर्मा, शुभम प्रजापति, विवेक मिश्रा, अमित मेहतो एवं शक्ति केंद्र संयोजक, सह संयोजक, प्रभारी, सभी बूथ अध्यक्ष, महामंत्री, बूथ समिति, मातृशक्ति, युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जबलपुर में बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, बोले

सौ करोड़ रुपए की लागत से बनेगा वीरांगना रानी दुर्गावती का स्मारक

भोपाल, देशबन्धु। रानी दुर्गावती की स्मृति में मदन महल की जमीन पर सौ करोड़ की लागत से स्मारक बनाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए भूमिपूजन 5 अक्टूबर को रानी दुर्गावती के 5 सौ वे जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह घोषणा जबलपुर में की। वह यहां वेटनरी ग्राउंड में आयोजित 1857 की क्रांति के जनजातीय नायक राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत जनजातीय संस्कृति के प्रतीक वीरा और साफा पहनाकर किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय नायकों के बलिदानों को स्मरण करने के लिए प्रतिवर्ष प्रदेश शासन द्वारा 18 सितम्बर को शहीद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोंड साम्राज्य की शासक वीरांगना रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और सामर्थ्य से एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी, जिसमें मदन-महल, गढ़ा मंडला, सिंग्रामपुर शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। सरकार ने पेसा अधिनियम लागू कर प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखंडों में जनजातियों को जल, जंगल, जमीन पर सशक्त अधिकार दिये हैं। इन विकासखंडों में जनजातीय भाई-बहनों ने तेंदूपत्ता संग्रहण में उल्लेखनीय कार्य किया है। अब सरकारी स्कूलों के बच्चे भी मेडिकल की पढ़ाई कर सके इसलिए सरकार द्वारा 5 प्रतिशत सीटें सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए आरक्षित की गई है। इस कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी, अजय विश्नोई, सुशील इंदु तिवारी, श्रीमती नंदिनी मरावी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार, पूर्व विधायक अंचल सोनकर, शरद जैन, पूर्व महापौर स्वाति सदानंद गोडबोले सहित बड़ी तादाद में जन समूह मौजूद रहा। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष वरकड़े ने दिया।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हर वर्ष मनेगा शंकरशाह और रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस

भोपाल, देशबन्धु। प्रतिवर्ष 18 सितम्बर को राजा शंकर शाह और कुंअर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस राज्य सरकार द्वारा मनाया जाएगा। यह घोषणा आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में मालगोदाम गोंडवाना चौक से की। वह यहां जनजातीय नायक अमर शहीद राजा रघुनाथ शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के 166वें बलिदान पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प-चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। उन्होंने प्रदेश की साढ़े 9 करोड़ जनता की ओर से दोनों अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री चौहान ने कहा कि शंकर शाह और रघुनाथ शाह ने क्रांति की ऐसी ज्वाला धधकाई, कि अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा। अपने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले जनजातीय गौरव अमर शहीद पिता-पुत्र की पुण्य-स्मृति को बनाए रखना हमारा पवित्र कर्तव्य और धर्म है। इसलिए राज्य सरकार अब हर साल 18 सितम्बर को राजा शंकरशाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस का आयोजन करेगी।

पथ-विक्रेताओं का महासम्मेलन 23 को

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 23 सितंबर को भोपाल में प्रदेश के पथ-विक्रेताओं का महासम्मेलन होगा, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेता शामिल होंगे। गोविंदपुरा स्थित दशहरा मैदान में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम से सभी 413 नगरीय निकाय और समस्त ग्राम पंचायतें वर्चुअली जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान महासम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

श्री चौहान ने कहा कि पथ-विक्रेता स्थानीय अर्थ-व्यवस्था के प्रभावी अंग हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए राज्य शासन प्रतिबद्ध है। महासम्मेलन में पथ-विक्रेताओं से चर्चा होगी। चर्चा में वे अपने अनुभव तथा सफलता की कहानियाँ प्रदेश के अन्य पथ-विक्रेताओं से अवश्य साझा करें।

इस आयोजन में मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री स्व-निधि और मुख्यमंत्री स्व-निधि के हितग्राहियों को हित लाभ वितरित किए जाएंगे। आयोजन स्थल पर पीएम स्व-निधि व सीएम स्व-निधि के स्टॉल भी लगेंगे। महासम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह शामिल होंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मनरेगा में भ्रष्टाचार : कलेक्टर ने वीडियो जारी कर किया उजागर

भोपाल, देशबन्धु। मनरेगा के कामों को निजी इंजीनियर से कराए जाने की खबर मिलने के बाद श्योपुर कलेक्टर द्वारा दिलाई दबिश में मिली फाईलों के बाद मामले का खुलासा हुआ। इस भ्रष्टाचार का खुलासा कलेक्टर ने वीडियो जारी कर किया है। जानकारी के मुताबिक कलेक्टर संजय कुमार को ग्राम पंचायतों के काम निजी इंजीनियरों से कराए जाने की खबर मिली थी। जिसके बाद निजी इंजीनियर द्वारका द्विवेदी के घर दबिश दी गई।

इस दौरान उन्हें इंजीनियर के पास से बड़ी संख्या में एमबी बरामद की गई। यह स्वयं इस्टीमेट बनाता था और खुद ही इसने कार्य का मूल्यांकन किया था। कलेक्टर के निर्देश पर पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने कल्याणपुरण कालोनी स्थित एक निजी इंजीयिर के आवास तथा बड़ौदा में विद्यार्थी सेवा केन्द्र के नाम से संचालित एक दुकान पर कार्यवाही करने पहुंची थी। इस दौरान उनके पास से सैकड़ों ग्राम पंचायतों का सरकारी रिकार्ड जप्त किया गया। जिसमें निर्माण कार्यों से संबंधित माप पुस्तिकाएं, मस्टर रोल, बिल बाउचर, जॉबकार्ड सहित अन्य संबंधित फाईलें मिली। कलेक्टर संजय कुमार के निर्देश पर तहसीलदार संजय जैन ने पुलिस अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों के मूल्यांकन से संबंधित एमबीी तथा अन्य फाईलें जप्त की है। कलेक्टर श्री कुमार का कहना है जप्त किए गए रिकार्ड की जांच कराई जा रही है, इसमे दोषी पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। साथ में मूल्यांकन के लिए नियुक्त सरकारी इंजीनियरों की भूमिका की भी जांच होगी।

निजी इंजीनियर के ठिकाने से सरकारी रिकार्ड किया जप्त

सिंधिया समर्थक टंडन सहित 2 ने छोड़ा भाजपा का साथ

कांग्रेस का थामेंगे दामन

इंदौर, देशबन्धु। भाजपा छोड़ने वाले सिंधिया समर्थकों में आज एक और नाम जुड़ गया। ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस का साथ छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले प्रमोद टंडन ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ ही राऊ विधानसभा से भाजपा के टिकट के प्रबल दावेदार रहे दिनेश मल्हार ने भी भाजपा छोड़ दी है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा छोड़कर आए दोनों नेता जल्द ही कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं।

प्रमोद टंडन ने 8 जून 2020 को कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। अब दोनों ही नेताओं के 23 सितंबर को कांग्रेस में शामिल होने की उम्मीद है। बताया जाता है कि 23 सितंबर को इंदौर में कांग्रेस का एक कार्यक्रम हैं, जिसमें कमलनाथ की मौजूदगी में यह नेता कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की रैंकिंग में सीहोर जिला अव्वल

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आज यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की सत्र 2022-23 की रैंकिंग जारी की गई। जिसमें सीहोर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं अलीराजपुर जिले के ग्राम जोहट का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रावास प्रथम स्थान पर है। संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस ने बताया कि छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता है। इस रैंकिंग प्रणाली को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य रहवासी सुविधाओं के साथ छात्रावासों में अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्थाओं हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जागृत करना है।श्री धनराजू ने बताया कि छात्रावासों के प्रदर्शन एवं कार्यक्षमता के मानकों पर रैंकिंग जारी की गई है। रैंकिंग में स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता के लिए 20 अंक, स्वीकृत सीटों पर नामांकन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन के लिए 20 अंक, ओलंपियाड में प्रदर्शन के लिए 20 अंक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुरजेवाला का आरोप

ओंकारेश्वर बाढ़ के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में आई बाढ़ के लिए मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जैसा सर्वविदित है कि भगवान जगतगुरु शंकराचार्य की मूर्ति के उद्घाटन का कार्यक्रम 18 सितंबर को प्रस्तावित था और इसके पहले 15 सितंबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ओंकारेश्वर जाना था। मुख्यमंत्री को एक रपटे से होकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना था, इसलिए प्रशासन ने ओंकारेश्वर बांध के फाटक बंद रखे ताकि रपटे के ऊपर से पानी न आ जाए।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि तयशुदा कार्यक्रम के मुताबिक 15 सितंबर को मुख्यमंत्री ओंकारेश्वर पहुंचे, जबकि उससे पहले ही बांध में लगातार पानी बढ़ रहा था, जिसके चलते बांध के फाटक खोले जाने की खोलने की आवश्यकता थी, लेकिन प्रशासन पर अघोषित दबाव था कि बांध के फाटक न खोले जाएं, इसलिए बांध में पानी बढ़ने दिया गया। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम पूरा होते ही बांध के फाटक एकदम से खोल दिए गए और ओंकारेश्वर तथा नदी के बहाव के निचले इलाकों में बहुत तेजी से पानी घुसा। हालांकि बाद में 18 सितम्बर को होने वाला कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। उन्होंने मांग की है कि सरकार को तत्काल इस कुशासन के लिए जनता से माफी मांगना चाहिए और मकानों को हुए नुकसान का संपूर्ण मुआवजा अविलंब पीड़ित परिवारों को देना चाहिए।

संविधान के दायरे में लगा था आपातकाल

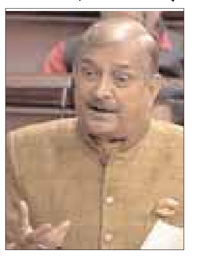

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सदस्य प्रमोदी तिवारी ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि इंदिरा गांधी के कार्यालय में संविधान के दायरे में आपातकाल लगाया गया था। तिवारी ने संसद के विशेष सत्र में चर्चा के दौरान कहा कि आपातकाल संविधान के दायरे में लगाया गया था लेकिन अभी जो अघोषित आपातकाल लगाया गया है। उन्होंने कहा कि अभी गोवा, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में सरकारों को गिरा दिया जा रहा है जो अघोषित आपातकाल है। उन्होंने कहा कि जब तक बांग्लादेश रहेगा तब तक इंदिरा गांधी का नाम रहेगा। उनका नाम कोई मिटा नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया डिजिटल इंडिया कहा जा रहा है लेकिन इस डिजिटल इंडिया का जनक राजीव गांधी थे। वहीं कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने कहा कि संसद का सत्र 120 से 130 दिन तक चलाने के लिए नए संसद भवन में कानून बनाने की मांग करते हुए कहा कि दलबदल कानून पर भी दोबारा से संज्ञान लेना चाहिए। हाल के दिनों में जिस प्रकार की घटनाएं सामने आई है उसमें दलबदल कानून पर विचार करने करने की आवश्यकता है। तिवारी ने कहा कि आजादी के बाद संविधान बनने के बाद सभी को समानता का अधिकार दिया गया। भारत के संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 17 का निर्माण कर देश से छुआछूत को खत्म करने का काम किया। इसी प्रकार अनुच्छेद 18 में राजा महाराजा की परंपरा को खत्म किया। बेगार प्रथा जैसी कुरीतियों को खत्म कर सभी को समानता का अधिकार दिया गया।

बहुजन समाज पार्टी के गिरीश चंद्र ने कहा कि देश की आजादी के 75 साल हो गए, लेकिन दलित आज भी अपने अधिकारों से वंचित है। राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत पूरे देश में दलितों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि नए संसद भवन में सरकार सोच में बदलाव का संकल्प लेगी ताकि दलितों का शोषण खत्म किया जा सके। समाजवादी पार्टी के एस टी हसन ने कहा कि पहली बार आज प्रधानमंत्री से सकारात्मक बातें सुनने को मिली है जो अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि वह पहली बार जब सदन में आये तो उन्हें यहां बापू का गुलदस्ता दिखे। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने के लिए जहां एक थाली में लोगों ने खाना खाया आज उसे खत्म किया जा रहा है।

आदिवासी कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए कमलनाथ, कहा-

राजा शंकर शाह का बलिदान सबके लिए प्रेरणा

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि राजा शंकर शाह का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा है। वह आज राजधानी के मानस भवन में मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा अमर शहीद आदिवासी जननायक राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 18 साल की भाजपा सरकार ने आदिवासी भाइयों को क्या दिया है? केवल उन्होंने उनसे छीना ही है। पेसा कानून भी कांग्रेस लाई थी जो अभी तक भाजपा सरकार पूरे तरीके से लागू भी नहीं कर पाई है। आदिवासी दिवस भी कांग्रेस ने बनाया और आदिवासी भाइयों का कर्जा माफ करने का काम भी हमने किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपना मांग पत्र बनाए और यह मांग आपको छाती ठोक कर यह मांगे मांगवानी है। कमलनाथ ने कहा कि कितनी शर्म की बात है कि आज आपको अंतिम संस्कार के लिए जमीन तक भी सरकार ने नहीं दी है। आदिवासी छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा नहीं है, अस्पताल नहीं, यदि कुछ है तो उनमें डॉक्टर नहीं है, स्कूल है तो उसमें शिक्षक नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के आदिवासी नौजवान और 20 साल पहले के नौजवान में बहुत अंतर है, क्योंकि वह किसी प्रकार की ठेकेदारी नहीं चाहता है वह सम्मान की नौकरी चाहता है। मुझे तो जानकारी है कि आज प्रदेश में आदिवासी भाइयों की नौकरी में तरक्की भी रुकी हुई हैं। वहीं मप्र आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष रामू टेकाम ने कहा कि आदिवासी समाज हमेशा से कांग्रेस के साथ रहा है। भाजपा सरकार ने हमेशा ही आदिवासी समाज के साथ छल, कपट और फरेब किया है। भाजपा के लोग आदिवासी वर्ग को प्रताड़ित और उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार कर रहे हैं। पूर्व मंत्री ओंकारसिंह मरकाम, आदिवासी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय शाह, महापौर विक्रम अहाके, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ प्रभारी जे.पी. धनोपिया, सै. साजिद अली, प्रतिभा रघुवंशी ने भी संबोधित किया। इस दौरान चंद्रा सर्वटे, प्रकाश ठाकुर, राकेश परते, विनोद इरपांचे, प्रीति टेकाम, रेवा सिंह धुर्वे, प्रदीप मरकाम सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल थे।

राष्ट्रीय सरपंच संघ महासम्मेलन में बोले

पंचायत में इंटरनेट की सरल व्यवस्था लागू की जाएगी

भोपाल, देशबन्धु। पंचायती राज व्यवस्था कांग्रेस द्वारा ही लागू की गई थी जिसको इस सरकार द्वारा धीरे-धीरे खत्म करने का काम किया गया है। हम उन सभी अधिकारों और सरपंचों के सम्मान को फिर से स्थापित करने का काम करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने यह बात रवीन्द्र भवन राष्ट्रीय सरपंच संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित सरपंच महासम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर हम फिर से प्रदेश में यह व्यवस्था पूरी तरह से लागू करेंगे। बात चाहे मनरेगा की हो, सरपंचों के वेतन की हो, मनरेगा में जो पावर थी उसे दोबारा लागू करेंगे और सरपंचों के वेतन को दोबारा शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरपंच, उप-सरपंच और पंचों के अधिकारों और सम्मान को हम फिर से वापस दिलाने का कार्य करेंगे। पंचायत में कागजी कामों को कम करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब जमाना बदल चुका है। यहां पर्चा भरो, वहां कागज जमा करो, यह व्यवस्था नहीं चलेगी। अब इंटरनेट का जमाना है, इसीलिए हम कागजी कामों को कम करते हुए सरल काम करने का तरीका बनाएंगे। हमारी सरकार आने पर हम आपकी सभी मांगों को पूरा करने का प्रयास ही नहीं, बल्कि उनको जमीन पर करके भी दिखाएंगे।

संसद से

लोकतंत्र में व्यवधान की रणनीति को समर्थन नहीं मिलता : धनखड़

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद में स्वस्थ बहस को फलते-फूलते लोकतंत्र की पहचान करार देते हुए कहा कि सदस्यों को टकराव से बचना चाहिए क्योंकि व्यवधान की रणनीति को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का लोग कभी समर्थन नहीं करेंगे। धनखड़ ने सोमवार को यहां संसद के विशेष सत्र के पहले दिन संविधान सभा से लेकर 75 वर्षों की संसदीय यात्रा-उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर चर्चा से पहले अपनी आरंभिक टिप्पणी में कहा कि यह सदस्यों को चिंतन और आत्मनिरीक्षण करने का उपयुक्त अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बहस एक फलते-फूलते लोकतंत्र की पहचान है। हमें टकराव से बचना चाहिए।

मोदी ने नेहरू के बारे कुछ अच्छे शब्द बोले, सुनकर अच्छा लगा : दानिश

बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सोमवार को पहली बार प्रधानमंत्री ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे कुछ अच्छे शब्द बोले जो सुनकर अच्छा लगा। अमरोहा से लोकसभा सांसद अली ने संसद भवन परिसर में कहा कि आज अच्छा लगा नौ साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित नेहरू के बारे में कुछ अच्छे शब्द बोले जो देश पिछले नौ साल से सुनना चाहता था। देश के लोकतंत्र की बुनियाद देश के पहले प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रखा गया इसीलिए हमारा लोकतंत्र सफल हुआ। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने पुराने संसद भवन में आखिरी संबोधन में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की मिडनाइट स्पीच को याद किया और कहा कि इसी सदन में उनके भाषण की गूंज हम सभी को प्रेरित करती रहेगी।

लोकतंत्र की विरासत को संजोकर अमृतकाल में विकसित राष्ट्र बनाएं सदस्य : गोयल

राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि देश में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी तथा पुरानी हैं और हमें इस विरासत को संजोते हुए मतभेदों को भुलाकर अमृतकाल में भारत को भ्रष्टाचार मुक्त विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। गोयल ने सोमवार को संसद के विशेष सत्र के पहले दिन संसद की 75 वर्ष की यात्रा पर सदन में चर्चा की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि 1952 में अस्तित्व में आये इस सदन ने 71 वर्ष के अपने सफर के दौरान अच्छे और बुरे पड़ाव से होकर अपनी गरिमा को बनाए रखा है और देश के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि उच्च सदन ने अपने क्रियाकलापों के बल पर अपनी प्रासंगिकता सिद्ध की है और सदस्यों के माध्यम से अपने दायित्व को निभाया है।

नए संसद भवन में व्यवधान हो कम : साह्नी

आम आदमी पार्टी के विक्रमजीत सिंह साहनी ने कहा कि देश अभी अमृतकाल के दौर से गुजर रहा है लेकिन यह भी जरूरी है कि इस दौरान लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और मौलिक अधिकारों का अमृत भी मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी सदस्य नए संसद भवन में स्वस्थ चर्चा करेंगे और व्यवधान कम होगा जिससे कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने की दिशा में कार्य किया जा सके। देश के विभाजन के समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय शरणार्थी के तौर पर देश में आये लोगों ने मेहनत के बल पर उसे आगे बढ़ाने में योगदान दिया। यह उनकी देशभक्ति की मिसाल है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्षेत्रीय दलों का है अपना महत्व : द्रमुक

द्रमुक के तिरूचि शिवा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्षेत्रीय दलों का अपना महत्व है और इनका मजबूत बने रहना सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के लिए जरूरी है। द्रमुक नेता तिरूचि शिवा ने कहा कि पिछले कुछ समय से सरकार का अध्यादेश लाने पर जोर रहा है जो सही नहीं है। वहीं वाई एस आर कांग्रेस के एस निरंजन रेड्डी ने कहा कि हमारा संविधान समय समय पर विभिन्न चुनौतियों की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि उच्च सदन राज्यों की परिषद है इसलिए इसमें राज्यों के मुद्दों को मुखरता से जगह मिलनी चाहिए और इन मामलों में लोकसभा का अनुसरण नहीं होना चाहिए।

घुसपैठ रोकने की कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती सेना

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू,देशबन्धु। एलओसी से सटे इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए अगले कुछ दिन परेशानी और दहशत से भरे हो सकते हैं। ऐसा पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने जहां रुके पड़े प्रशिक्षित आतंकियों को सीमा की ओर धकेलने की कोशिशों में तेजी लाने तथा भारतीय सेना उन्हें रोकने की कवायद में जुटी हैं।

दरअसल पाक सेना बर्फबारी से पहले ही आतंकियों को धकेलने को उतावली है क्योंकि बर्फबारी के बाद घुसपैठ के रास्ते बंद हो जाते हैं। इस दहशत के पीछे का कारण यह बताया जा रहा है कि पाक सेना एक बार फिर घुसपैठ के लिए कवर फायर की नीति अपनाने लगी है। यह उड़ी में दो दिन पहले साफ हो चुका है। हालांकि इसके प्रति सिर्फ अनुमान ही हैं कि एलओसी के पार पाक कब्जे वाले कश्मीर में चल रहे आतंकवाद का प्रशिक्षण देने वाले कैम्पों में कितने आतंकी प्रशिक्षण ले रहे हैं और कितने इस ओर आने को तैयार बैठे हैं, पर यह जरूर कहा जा रहा है कि जो भी घुसपैठ में कामयाब होगा वह कश्मीर के हालात को फिर से पीछे मोढ़ने में कामयाब हो जाएगा।

नतीजतन सेना घुसपैठ रोकने की खातिर कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती। सेना की नार्दन कमान के प्रवक्ता दावा करते हैं कि एलओसी पर सभी लूप होलों को बंद करने की कोशिश की जा रही है। दरअसल एलओसी की स्थिति ऐसी है कि चप्पे-चप्पे पर जवानों को तैनात करने के बावजूद घुसपैठियों को रोक पाना संभव नहीं हो सकता। जबकि सेना आप इसे मानती है कि एलओसी पर तारबंदी उतनी कामयाब नहीं हो पाई है जितनी प्रभावी वह इंटरनेशनल बार्डर पर है। एलओसी पर तारबंदी की हालत यह है कि हर साल बर्फबारी के बाद वह क्षतिग्रस्त हो जाती है और उसकी मुरम्मत का कार्य कठिन होने के कारण कई स्थानों पर कई कई महीनों तक वह क्षतिग्रस्त ही रहती है। इन्हीं परिस्थितियों का लाभ पाकिस्तान सेना उठाने की कोशिश में है।

वह घुसपैठ के परंपरागत रास्तों को छोड़ कर अब दुर्गम और नए रास्तों का इस्तेमाल कर भारतीय सेना की परेशानियां बढ़ा रही है। इसी प्रकार की परेशानी एलओसी से सटे इलाकों में रहने वाले सीमावासियों की इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पाक सेना घुसपैठ की खातिर कवरिंग फायर की नीति का इस्तेमाल करने से नहीं चुकती है और इस ओर से भी जब जवाबी कार्रवाई होती है तो गोलों और गोलियों का शिकार सीमावासी ही बनते हैं चाहे वे इस ओर के इलाके में रहते हों या फिर एलओसी के पार। यही कारण था कि एलओसी के बनते-बिगड़ते हालात के चलते सीमावासी परेशान हैं क्योंकि सुरक्षा एजेंसियां यह कह कर उन्हें हमेशा दहशतजदा करती रही हैं कि एलओसी पर घुसपैठ के प्रयास घमासान हो सकते हैं।

जबकि पाक सेना की कवर फायर वाली रणनीति अब सीजफायर पर भी प्रश्न चिन्ह लगाने लगी है।

दुर्घटना, 4 की मौत

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कटक जिले में सोमवार को सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना कटक के टिगिरिया पुलिस सीमा के अंतर्गत नुआसादक चक के पास हुई जब एक वाहन को एक ट्रक ने आमने-सामने टक्कर मार दी। दुर्घटना के समय वाहन अथागढ़ जा रहा था। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही टिगिरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।